RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:33 ता. 26 जूलाई 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बीएसएफ ने रामगढ़ में पाकिस्तानी मादक पदार्थ तस्कर को किया ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर के रामगढ़ इलाके में आज तड़के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने इलाके में मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए एक पाकिस्तानी तस्कर को मार गिराया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात सतर्क बीएसएफ जवानों ने एक पाक तस्कर को मार गिराया, जब वह रामगढ़ सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने की प्रयास कर रहा था। उन्होंने बताया कि इलाके की शुरुआती तलाशी के दौरान तस्कर के शव के साथ संदिग्ध नशीले पदार्थ के के चार पैकेट मिले। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

जम्मू आधार शिविर से 3025 श्रद्धालुओं का नया जत्था अमरनाथ गुफा के लिए रवाना

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के भगवती नगर आधार शिविर से मंगलवार को 'बम बम भोले' के जयकारा लगाते हुए 3025 तीर्थयात्रियों का 23वां जत्था श्री अमरनाथ गुफा तीर्थ के लिए रवाना हुआ।

एक अधिकारी ने आज यहां बताया कि 3025 तीर्थयात्री 119 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुए।

उन्होंने बताया कि 1865 तीर्थयात्रियों (1535 पुरुष, 275 महिलाएं, दो बच्चे, 48 साधु और पांच साध्वियां) का एक समूह 81 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ हैं। उन्होंने बताया कि बालटाल के लिए 1160 तीर्थयात्री, जिनमें 735 पुरुष, 421 महिलाएं और दो बच्चे शामिल है कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 38 वाहनों के काफिले में रवाना हुए। उल्लेखनीय है कि एक जुलाई से आरंभ हुई यह यात्रा 31 अगस्त का चलेगी।

'लाल डायरी' पर सचिन पायलट की चुप्पी, गुढ़ा से बनाई दूरी ? मजबूरी या रणनीति

राजस्थान में बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा की कथित लाल डायरी पर सचिन पायलट की चुप्पी साधे हुए है। सियासी जानकार चुप्पी के अलग-अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं। गुढ़ा पायलट कैंप के माने जाते हैं।

जयपुर। राजस्थान में बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा की कथित लाल डायरी पर सचिन पायलट की चुप्पी साधे हुए है। सियासी जानकार पायलट की चुप्पी के अलग-अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं। जिस डायरी को लेकर राजस्थान की राजनीतिक का सियासी ताप बढ़ा हुआ है, उसे लेकर न तो सचिन पायलट बोल रहे हैं और न ही उनके कैंप के विधायक। वैसे राजस्थान की सियासत में लाल डायरी की राजनीति लंबे समय से चलती आ रही है। हाल ही में बर्खास्त हुए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने एक बार फिर लाल डायरी की सियासत को हवा दे दी है। गुढ़ा का कहना है कि लाल डायरी में गहलोत के काले कारनामों के राज छिपे है। बर्खास्त मंत्री गुढ़ा पायलट कैंप के माने जाते हैं। पायलट की मौजूदगी में गुढ़ा कांग्रेस आलाकमान से लेकर सीएम अशोक गहलोत को निशाने पर लेते रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि साढ़े चार

तक गहलोत सरकार को घेरने वाले सचिन पायलट की चुप्पी के मायने है। पायलट जानते है कि चुनाव का समय नजदीक है।बयानबाजी से नुकसान होगा। सियासी जानकारों का कहना है कि पायलट को राजेंद्र गुढ़ा की वफादारी पर भी संदेह है?

पायलट राजेंद्र गुढ़ा से दूरी बनाकर चल रहे हैं-राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सचिन पायलट राजेंद्र गुढ़ा से दूरी बनाकर चल रहे हैं। पायलट कैंप के किसी विधायक या नेता का बयान फिलहाल नहीं आया है। बता में राहुल गांधी और खड़गे की मौजूदगी में दिल्ली में हुई सुलह के बाद सचिन पायलट पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए है। पायलट कैंप के विधायक भी चुप्प है। सियासी जानकारों का कहना है कि सचिन पायलट को कांग्रेस आलाकमान ने बड़े पद के लिए ठोस आश्वासन दिया है। शायद यही कारण हो सकता है पायलट सरकार रिपीट करने की बात कह रहे हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि राजेंद्र गुढ़ा ने गहलोत सरकार को गिरने से बचाने में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन बाद में गुढ़ा पायलट कैंप की तरफ शिफ्ट हो गए। लेकिन पायलट कैंप गुढ़ा से दूरी बनाए हुए है।

बसपा से कांग्रेस में शामिल विधायकों ने छोड़ा साथ? झुंझुनूं जिले की उदयपुरवादी विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव जीतकर कांग्रेस में शामिल हुए राजेंद्र गुढ़ा विवादास्पद बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहे हैं। गुढ़ा 17 सितंबर 2019 को अपने 5 साथी विधायकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए थे। गुढ़ा कहते रहे हैं कि बसपा विधायक मेरी अगुवाई में कांग्रेस में शामिल हुए है। सरकार को गिराने से बचाने से लेकर राज्यसभा चुनाव तक सभी बसपा विधायक एकजुट रहे। गिर्राज सिंह मलिंगा, राजेंद्र गुढ़ा, लाखन मीना, वाजिब अली, संदीप यादव, जोगिंद्र सिंह अवाना और दीपचंद खैरिया बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए थे। लेकिन मौजूदा दौर में जब राजेंद्र गुढ़ा सियासी संकट में फंसे हुए तो उनके साथ कोई भी विधायक खड़ा नहीं है। फिलहाल सब चुप्पी साधे हुए है।

गोपाल कांडा को बड़ी राहत

एयरहोस्टेस गीतिका की मौत के मामले में अदालत ने किया बरी; चला गया था मंत्री पद

नई दिल्ली। एयरहोस्टेस गीतिका शर्मा की मौत के मामले में हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा बरी हो गए हैं। उन्हें अदालत ने आत्महत्या के लिए उकसाने वाले केस में दोषमुक्त करार दिया है। इस मामले के चलते गोपाल कांडा को मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। 2012 में गीतिका शर्मा ने आत्महत्या कर ली थी, जो कभी गोपाल कांड की ही एयरलाइन कंपनी में एयरहोस्टेस के तौर पर काम करती थीं और फिर उन्हें प्रमोट करके निदेशक बना दिया गया था।

दिल्ली फायर सर्विस परीक्षा में 'खेल', 13 उम्मीदवारों ने फर्जी तरीके अपनाए ? क्राइम ब्रांच करेगी जांच

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कथित तौर पर फर्जी तरीके अपनाकर दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) में कम से कम 13 लोगों के चयन के संबंध में एफआईआर दर्ज की है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने सोमवार को बताया। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) द्वारा 20 जून को दर्ज की गई एक शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद 22 जुलाई को भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420 और 120बी के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। डीएफएस के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा, हमें पता चला है कि कुछ उम्मीदवारों ने नौकरी सुरक्षित करने के लिए फर्जी तरीके अपनाए। डीएसएसएसबी के पास ऐसे उम्मीदवारों की सूची है और पुलिस में मामला भी दर्ज कराया

गया है। डीएफएस को इसके बारे में अवगत नहीं कराया गया है। चयनित अभ्यर्थियों का मेडिकल परीक्षण परीक्षण प्रक्रियाधीन है। डीएफएस अधिकारियों ने कहा कि विभाग ने दिल्ली सरकार के जरिए अग्निशमन विभाग में 800 फायर ऑपरेटरों की भर्ती के लिए 2018-19 में एक अधिसूचना जारी की थी। भर्ती प्रक्रिया 2019 के मध्य में शुरू हुई और 2022 के अंत तक 706 फायर ऑपरेटरों का चयन किया गया। अधिकारियों ने कहा कि चयन प्रक्रिया वर्तमान में अपने अंतिम चरण में है, क्योंकि चयनित उम्मीदवारों को अब मेडिकल परीक्षा के लिए बुलाया जा रहा है, जो डीएफएस में उम्मीदवारों को शामिल करने से पहले अंतिम परीक्षा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि डीएसएसएसबी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) और चयनित उम्मीदवारों के ड्राइविंग कौशल परीक्षण के दौरान ली गई बायोमेट्रिक रिपोर्ट की जांच के दौरान यह सामने आया कि कुछ उम्मीदवार परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों, कदाचार और धोखाधड़ी, प्रतिरूपण, जालसाजी और साजिश जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे। अधिकारी ने कहा कि सीबीटी और ड्राइविंग टेस्ट के दौरान ली गई लिखावट और बायोमेट्रिक्स के आधार पर ऐसे 13 उम्मीदवारों की पहचान की गई है,

मेघालय के मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमला, पांच सुरक्षाकर्मी घायल

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के तुरा स्थित कार्यालय पर भीड़ ने सोमवार शाम हमला कर दिया। इस हमले में मुख्यमंत्री संगमा सुरक्षित हैं, लेकिन उनके पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। हालात संभालने के लिए तुरा शहर में रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा। हमले के वक्त संगमा अचिक कॉन्शियस होलिस्टिकली इंटीग्रेटेड क्रिमा और गारो हिल्स स्टेट मूवमेंट कमेटी के प्रतिनिधियों से बातचीत कर थे। दोनों संगठन के कुछ सदस्य पिछले 14 दिन से तुरा को विंटर कैपिटल बनाने की मांग करने के लिए अनशन पर हैं। मुख्यमंत्री की बातचीत करीब-

करीब पूरी हो गई थी तभी अचानक भीड़ आई और पथराव करने लगी। इससे हड़कंप मच गया। पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। भीड़ ने मुख्यमंत्री कार्यालय का गेट तोड़ने की भी कोशिश की। मुख्यमंत्री संगमा ने हिंसा में घायल सुरक्षाकर्मियों का हालचाल जाना। संगमा ने घायल सुरक्षाकर्मियों के लिए 50 हजार रुपये की मदद और इलाज का खर्च देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने कहा है यह हमला दुर्भाग्यपूर्ण है। इन संगठनों के प्रतिनिधि भी नहीं जानते कि हमलावर कौन हैं। यह बाहर से आए हुए लोग थे। इनका पता लगाया जा रहा है।

मणिपुर वायरल वीडियो मामले में सातवां आरोपी गिरफ्तार, पुलिस बोली- बाकी आरोपियों की तलाश जारी

इंफाल। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की वारदात के मामले में पुलिस ने सातवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने बताया कि आरोपी को सोमवार (24 जुलाई) शाम थोउबल से पकड़ा। 19 जुलाई को वीडियो वायरल होने के बाद पहली गिरफ्तारी 20 जुलाई को की गई थी। इन सात आरोपियों में से एक नाबालिग है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कई इलाकों में छापेमारी कर रही है। वहीं, सोमवार देर रात मणिपुर सरकार ने असम राइफल्स से

भारत में म्यांमार नागरिकों की घुसपैठ के मुद्दे पर डिटेल रिपोर्ट मांगी है। सरकार ने असम राइफल्स से पूछा है कि कैसे सिर्फ दो दिनों (22-23 जुलाई) में 718 म्यांमार नागरिक बिना पर्याप्त दस्तावेज के भारत में घुस गए। इसमें 209 पुरुष, 208 महिलाएं और 301 बच्चे हैं।

मणिपुर में 4 मई को हुई थी पहली मौत, परिजन को अब तक शव नहीं मिला

मणिपुर ढाई महीने से हिंसा की आग में झुलस रहा है। इसमें अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि 419 लोग घायल हुए हैं। मणिपुर हिंसा में पहली मौत 4 मई 2023 को हुई थी। मृतक की पहचान 21 साल के स्टूडेंट हंगलालमुआन वैफेई के रूप में हुई। उसे सीएम बीरेन सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में 4 मई को गिरफ्तार किया गया था। चुराचांदपुर में जब पुलिस उसे लेकर जेल जा रही थी, तभी रास्ते में 800 लोगों ने गाड़ी को रोक लिया। भीड़ देखकर पुलिसकर्मी भाग गए और भीड़ ने हंगलालमुआन की पीट-पीटकर हत्या कर दी। परिजन ने बताया कि पुलिस कह रही है कि वैफेई का शव इंफाल मॉर्चुरी में है, लेकिन हिंसा के बीच हम इंफाल नहीं जा सके। पुलिस से कई बार गुहार के बावजूद अब तक पुलिस ने छात्र का शव नहीं सौंपा है।

मणिपुर के थोरबुंग में कुकी-मैतेई भिड़े, रातभर चलीं गोलियां, फायरिंग में फंसा भास्कर रिपोर्टर

मणिपुर के हालात को कवर करने पहुंचे भास्कर रिपोर्टर शनिवार (22 जुलाई) को चुराचांदपुर के पास थोरबुंग में कुकी-मैतेई के बीच क्रॉस फायर में फंस गए।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा पर दोहरी मार, यमुना-हिंडन की बाढ़ से प्रभावित गांवों के सैकड़ों लोगों ने छोड़ा घर-बार; राहत शिविरों में डाला डेरा

नोएडा। नोएडा से लेकर ग्रेटर नोएडा तक यमुना और हिंडन में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार दोपहर तक यमुना में दो लाख और हिंडन में 28 हजार से अधिक क्यूसेक पानी बह रहा था। इस कारण कई इलाकों को खाली कराया गया। बाढ़ प्रभावित गांवों के सैकड़ों लोग राहत शिविरों में भेज दिए गए। यमुना का जलस्तर बढ़ने से एक बार फिर डूब क्षेत्र के लोगों के सामने समस्या खड़ी हो गई है। कई दिन पहले आई बाढ़ में यहां रह रहे लोगों का सारा सामान बह गया था, लेकिन सोमवार को फिर जलभराव होने से लोग बेघर हो गए। यह लोग अब सेक्टर-135 नंगली वाजिदपुर के सामुदायिक भवन से लेकर पुश्ता रोड तक फुटपाथों पर तंबू-टेंट लगाकर और राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

यमुना का जलस्तर 199.40 मीटर और हिंडन का 201.15 मीटर था। दोनों ही नदी में पानी खतरे के लाल निशान के बेहद करीब है। हिंडन और यमुना के बढ़ते जलस्तर के बीच प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित इलाकों को खाली करना शुरू कर दिया है। यमुना से करीब 53 और हिंडन से 14 गांवों में बाढ़ का खतरा है। हिंडन ने बहलोलपुर, छिजारसी, हैबतपुर, युसूफपुर और चोटपुर कॉलोनी में प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया। यहां से 150 से अधिक परिवार विस्थापित हो चुके हैं। घरों के बाहर पांच फुट तक पानी भरा है। गढ़ी

कलंजरी, कुलेरसा समेत किनारों पर बसे अन्य गांवों तक भी पानी पहुंचना शुरू हो गया है। प्रशासन ने फार्म हाउस और गोशालाएं खाली करा दी हैं। चूहड़पुर, मोमनाथल, वाजिदपुर, सेक्टर-161 समेत कई सेक्टर और गांवों का डूब क्षेत्र खाली कराया गया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आए लोगों में कई तरह की बीमारी पनपने का खतरा बढ़ गया है। अभी तक स्वास्थ्य शिविर में मिल रहे अधिकांश मरीज फंगल इंफेक्शन और बुखार के हैं। कई बुजुर्ग अपनी पुरानी बीमारी से भी पीड़ित हैं। आई फ्लू के केस भी बढ़ रहे हैं।

इन नंबरों पर संपर्क कर मदद लें

जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सहूलियत और मदद के लिए दो हेल्पलाइन नंबर जारी किए है। कोई भी व्यक्ति विषम परिस्थितियों में 0121-2974274 और 9811363725 नंबर पर कॉल कर सकता है।

पहले ही सबकुछ बह गया, अब फिर बेघर हुए, पीड़ित लोगों का छलका दर्द

दरअसल, हिंडन नदी जिले के 14 गांवों से गुजरकर सेक्टर-151 मोमनाथल गांव में यमुना में मिल रही है। इससे यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। सहारनपुर से हिंडन में लगातार पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके फलस्वरूप यमुना में भी उफान पर है। बीते दिनों यमुना में 3.72 लाख क्यूसेक पानी होने के कारण पूरा क्षेत्र डूब गया था। पुश्ता रोड तक पांच से आठ फीट पानी भर गया। कई गोवंश की पानी में खड़े रहने के कारण मौत तक हो गई थी। ऐसे में जिला प्रशासन ने बाढ़ से निपटने के लिए डूब क्षेत्र में रविवार रात करीब दो बजे तक संघन अभियान चलाया। मुनादी के माध्यम से वहां रहने वाले लोगों को जल्द से जल्द इलाका खाली करने की चेतावनी दी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की जड़े काट रही सेना ! बारामूला में लश्कर आतंकवादियों के दो सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की जड़ों को काटने के लिए लंबे समय से ऑपरेशन चल रहा है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खत्म करने के लिए सरकार ने अपने स्तर पर कश्मीर में सेना की टुकड़ियां चप्पे-चप्पे की जांच कर रही हैं। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकवादियों के दो सहयोगियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया, ''सुरक्षा बलों ने क्रीरी बारामूला के चक टप्पर गांव से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की।'' प्रवक्ता के मुताबिक, चक टप्पर गांव में आतंकवादी गतिविधियों के बारे में सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा, ''पुलिस ने सुरभा बलों के साथ मिलकर चक टप्पर के बस स्टॉप पर वाहनों की जांच शुरू की। इस दौरान उन्हें दो संदिग्ध देखे। जब उन्हें रुकने का इशारा किया गया, तो वे भागने लगे, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया।'' प्रवक्ता के अनुसार, तलाशी के दौरान दोनों संदिग्धों के कब्जे से दो चीनी पिस्तौल, पिस्तौल की दो मैगजीन, 14 जिंदा कारतूस, हथियार और गोला-बारूद सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार संदिग्धों की पहचान बांदीपोरा जिले के दयाम मजीद खान और उबैर तारिक के रूप में हुई है। प्रवक्ता के मुताबिक, क्रीरी पुलिस ने दयाम और उबैर के खिलाफ कानून की प्रासंगिक धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है।

आर्मी पब्लिक स्कूल के बच्चों के पास आ रहे पाकिस्तान नंबर से कॉल

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के नोएडा में आर्मी पब्लिक स्कूल में बच्चों को पाकिस्तान से फोन आ रहे हैं। इन फोन कॉल्स पर बच्चों से उनकी निजी और स्कूल से संबंधित जानकारियां मांगी जा रही हैं। पाकिस्तानी नंबरों से आए फोन कॉल्स में उनसे वॉट्सएप ग्रुप्स में जुड़ने के लिए कहा जा रहा है। इसके लिए ओटीपी भी उनके फोन पर आ रहे हैं। स्कूल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेकर छात्रों के माता-पिता को इसतरह के कॉल्स रिसीव न करने के निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोएडा के आर्मी पब्लिक स्कूल के छात्रों को पाकिस्तानी खुफिया एजेंट्स के फोन आ रहे हैं। फोन पर छात्रों की पर्सनल जानकारी मांगी जा रही है। उनके माता-पिता के बारे में पूछा जा रहा है। इतना ही नहीं, कॉलर स्टूडेंट्स के पैरेंटेंस से बोल रहे कि आप वॉट्सएप ग्रुप पर जुड़ जाएं क्योंकि नई क्लास शुरू होने वाली है। इसके लिए उन्हें ओटीपी भेजा रहा है। बताया जा रहा है कि जिन नंबर्स से फोन आ रहे हैं, वहां पाकिस्तान के नंबर्स हैं। स्कूल प्रशासन ने इसतरह के किसी भी कॉल को रिसीव न करने की एडवाइजरी जारी की है। छात्रों के माता-पिता से कहा गया है कि फिलहाल इसतरह के नंबरों को इग्नोर करें। अगर कॉल उठा लेते हैं, तब उन्हें किसी भी तरह की पर्सनल जानकारी न दें। हालांकि, मामले को लेकर जब स्कूल प्रशासन से बात करने की कोशिश की गई, तब उन्होंने कहा कि वह फिलहाल मामले की सुरक्षा को ध्यान में रख रहे हैं।

कमल हासन को कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र से उतर सकती हैं द्रमुक

चेन्नई)। तमिल सुपरस्टार और एमएनएम के संस्थापक अध्यक्ष कमल हासन के आम चुनाव में कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक द्रमुक कमल हासन को कोयंबटूर सीट आवंटित कर सकता है। उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के वनाथी श्रीनिवासन से 1,728 वोटों के मामूली अंतर से हारकर भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। कमल ने कोयंबटूर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में एमएनएम के राज्य स्तरीय पहुंच अभियान मक्कालोडु मैयम का उद्घाटन किया।

एमएनएम तमिलनाडु के सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में लोगों से मिलने की योजना बना रहा है, जिसमें पार्टी नेता और कैडर वार्ड और पंचायत स्तर पर लोगों से उनके सामने आने वाली परेशानियों पर मुलाकात करने वाले हैं। इसमें जन प्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में नजरअंदाज किए गए मुद्दे शामिल हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, एमएनएम जमीनी स्तर पर लोगों से मिले फीडबैक के आधार पर अपना चुनावी घोषणापत्र तैयार करेगी। पार्टी नेतृत्व ने कहा कि प्रत्येक वार्ड सचिव को गूगल फॉर्म में उनके क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं पर 25 बाइनरी प्रश्नों की एक लिस्ट दी गई है और फीडबैक का उपयोग प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र पर स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करने के लिए किया जाएगा। एमएनएम के सूत्रों ने बताया कि पार्टी के कोयंबटूर जिले के पदाधिकारियों ने पहले ही तमिल सुपरस्टार से 2024 के लोकसभा चुनाव में कोयंबटूर सीट से चुनाव लड़ने की अपील की है। गौरतलब है कि कमल हासन ने हाल ही में तमिलनाडु की बस ड्राइवर शर्मिला को एक कार तोहफे में दी थी, जिसे डीएमके नेता कनिमोझी द्वारा संचालित बस में चढ़ने के विवाद के बाद नौकरी से निकाल दिया गया था। शर्मिला की बस के कंडक्टर से बहस हो गई, जिसने कनिमोझी से टिकट का किराया मांगा। इसके चलते बस के मालिक ने शर्मिला को नौकरी से निकाल दिया। कमल हासन ने उन्हें अपने चेन्नई स्थित घर पर आमंत्रित किया और उन्हें एक नई कार सौंपी, जिसे वह चला कर अपना गुजर-बसर कर सकें।

700 से ज्यादा म्यांमार नागरिक मणिपुर में घुसे

इंफाल (ईएमएस)। देश में सेना और नागरिक बलों के बीच चल रही झड़पों के कारण 301 बच्चों और 208 महिलाओं सहित लगभग 718 म्यांमार नागरिक मणिपुर के चंदेल जिले में प्रवेश कर चुके हैं। मणिपुर के मुख्य सचिव जोशी ने एक बयान में कहा ?कि राज्य सरकार ने असम राइफल्स से म्यांमार के नागरिकों को वापस भेजने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने तथ्यों और कारणों पर स्पष्टीकरण के लिए असम राइफल्स से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है कि क्यों और कैसे इन 718 म्यांमार नागरिकों को उचित यात्रा दस्तावेजों के बिना चंदेल जिले में भारत में प्रवेश करने की अनुमति दी गई। जोशी ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने सीमा सुरक्षा बल होने के नाते असम राइफल्स को केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के अनुसार वैध वीजा और यात्रा दस्तावेजों के बिना किसी भी आधार पर मणिपुर में म्यांमार के नागरिकों के प्रवेश को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा ?कि राज्य सरकार 718 शरणार्थियों के ताजा अवैध प्रवेश को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ गंभीरता से लेती है, क्योंकि विशेष रूप से चल रहे कानून और व्यवस्था के मुद्दों को देखते हुए इसके अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव हो सकते हैं। मुख्य सचिव ने कहा ?कि राज्य सरकार ने असम राइफल्स को उन 718 अवैध म्यांमार नागरिकों को तुरंत वापस भेजने की सख्त सलाह दी है। म्यांमार के नागरिकों ने शनिवार और रविवार को मणिपुर में प्रवेश किया और अब जिले के सात स्थानों लाजांग, बोन्से, न्यू समताल, न्यू लाजंग, यांग्नोम्फाई, यांग्नोम्फाई सॉ मिल और ऐवोमजंग में रह रहे हैं। ये सभी गांव म्यांमार सीमा से लगे हुए हैं। मुख्य सचिव ने चंदेल जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने और ऐसे सभी व्यक्तियों के बायोमेट्रिक्स और तस्वीरें भी रखने को कहा है। इस बीच फरवरी 2021 में म्यांमार में सैन्य अधिग्रहण के बाद हजारों म्यांमारवासी मिजोरम भाग गए और उस देश के लगभग 35,000 पुरुष, महिलाएं और बच्चे अब पहाड़ी राज्य में रह रहे हैं। लगभग 5,000 म्यांमारियों ने भी पहले मणिपुर में शरण ली थी। मणिपुर की म्यांमार के साथ लगभग 400 किमी और मिजोरम की 510 किमी बिना बाड़ वाली सीमा है।

मेघालय के मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमला, 5 सुरक्षाकर्मी घायल

रिभोई । मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के तुरा स्थित कार्यालय पर सोमवार रात भीड़ के हमले के दौरान पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री को चोट नहीं आई है और वह तुरंत कार्यालय से बाहर नहीं निकल सके, क्योंकि कई लोगों ने परिसर को घेर लिया था और मार्गों को अवरुद्ध कर दिया था। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि बाद में प्रदर्शनकारियों को वहां से तितर-बितर कर दिया गया और पुलिस ने रात का कर्फ्यू लगा दिया। तुरा शहर को राज्य की शीतकालीन राजधानी बनाने की मांग को लेकर गारो हिल्स के नागरिक समाज संगठन पिछले कुछ दिनों से भूख हड़ताल पर हैं।

मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में विपक्षी दल, जानें क्या है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां सरकार मणिपुर पर चर्चा को लेकर दोनों सदनों में गतिरोध दूर करने के लिए संसद में एक बड़ा विधायी प्रयास करने की योजना बना रही है। वहीं, दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन इंडिया लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना पर काम रहा है। सूत्रों ने इस बाद की जानकारी दी है। मंगलवार सुबह भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (द्धद्दड्डद्ब) के घटक दलों की बैठक में नोटिस सौंपने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। सूत्रों ने कहा कि सभी दल एक साथ हैं और राज्यसभा के लिए रणनीति बनाई जा रही है।

मोदी से बयान की मांग

आखिरी बार 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। संघर्षग्रस्त मणिपुर की स्थिति पर संसद में बोलने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूर करने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के बाद, यह निर्णय लिया गया कि सरकार को इस मुद्दे पर चर्चा शुरू करने के लिए मजबूर करने का यह एक प्रभावी तरीका होगा। सूत्रों का कहना है कि अगर विपक्ष अपनी मांग पर अड़ा नहीं रहता है कि चर्चा शुरू होने से पहले दोनों सदनों में पीएम एक विस्तृत बयान देंगे तो नियम 267 के तहत मणिपुर पर आज उच्च सदन में चर्चा होने की संभावना है। फिलहाल आज भी दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा देखने को मिला।

संसद में हंगामा

इस बीच, मणिपुर में हिंसा पर विपक्षी दलों के विरोध के बीच लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सदस्यों ने इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की और नारे लगाना शुरू कर दिया। स्पीकर ओम बिरला ने विरोध कर रहे सदस्यों से नारेबाजी नहीं करने को कहा और उनसे अपनी सीटों पर वापस जाने का अनुरोध किया। मणिपुर में जातीय हिंसा के खिलाफ विपक्षी दल प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बयान की मांग कर रहे हैं।

मन की बात बहुत हो चुकी...अब मणिपुर पर बात हो : राघव चड्ढा

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा है कि भारतीय संसदीय इतिहास में देखा गया है कि किसी भी सदस्य को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर देना, अति दुर्लभ स्थिति में चेयर द्वारा किया जाता है। गौरतलब है कि आप सांसद संजय सिंह को शेष बचे पूरे मानसून सत्र के लिए निलंबित किया गया है। आप का कहना है कि मणिपुर से हैवानियत भरी विडियो और फोटो आ रही है। इन वीडियो और फोटो को देखकर लगता है पूरे देश का दिल दहल गया है। राघव का कहना है कि अक्सर यह इसतरह के मामलों में किया जाता है, जब या तब किसी सदस्य ने चेयर के प्रति या किसी सदस्य के प्रति आक्रमण किया हो, एक्ट वॉयलेंस हुआ हो, कोई किताब फाढ़कर चेयर पर फेंकी हो या माइक तोड़ा हो या आपत्तिजनक चीज की हो। राघव ने कहा कि पहली बार देखा गया है कि देश की एक बर्निंग इश्यू के मुद्दे पर देश का एक अभिन्न अंग मणिपुर जल रहा है उस विषय पर बहस मांगने के लिए जब एक सदस्य चेयर के पास जाकर दरख्वास्त करने का प्रयास करते हैं उन को सस्पेंड कर दिया जाता है यह पहली बार देखा गया है। उन्होंने कहा कि यह महिला सुरक्षा का मुद्दा है राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है और इसकारण हम कहना चाहते हैं, कि विपक्ष की मांग क्या है। हम सभी साथियों की मांग क्या है कि मन की बात बहुत हो गई अब मणिपुर की बात हो। विपक्ष का कहना है कि देश की संसद में मानसून सेशन चल रहा है और सेशन में अगर मणिपुर की चर्चा नहीं होगी तब कहां होगी। विपक्ष लगातार नोटिस दर्ज कराकर अपनी बात रख रहा है कि रूल 267 के अंतर्गत बहस कराई जाए।

प्यार में पाकिस्तान पहुंचीं अंजू का परिवार बेहद आहत! पुलिस जासूसी एंगल से भी कर रही है मामले की जांच, पड़ताल के लिए पैतृक गांव पंहुची

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ऐसे देश में, जो मित्रवत पड़ोसी नहीं है। भारत और पाकिस्कान के बीच करीब चार बार युद्ध हो चुका है और दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्ते हैं लेकिन प्यार ये सब कहां देखता है। कहते है कि प्यार तो अंधा होता है। प्यार के लिए बाधाओं का सामना करने और सीमाओं को पार करने के लिए साहस की आवश्यकता होती है। भले ही यह 'सात समंदर पार' न हो, फिर भी इसमें बहुत सारे जोखिम और कलंक जुड़े हुए हैं। तभी तो राजस्थान के भिवाड़ी की अंजू नाम की महिला अपने प्रेमी से मिलने के लिए सीमा पार कर जाने को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। इस कदम को उठाने के बाद अंजू की पाकिस्तान से आयी सीमा हैदर के साथ उनकी तुलना होनी शुरू हो गयी है। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर अपने PUBG प्रेमी के साथ रहने के लिए भारत में घुस आई थी।

फेसबुक मित्र से मिलने पाकिस्तान चली गयी बलिया के खरगपुरा गांव की बहू

भारतीय महिला अंजू के अपने फेसबुक मित्र से मिलने के लिए पाकिस्तान जाने की घटना के बाद से बलिया जिले में स्थित उसका ससुराल खरगपुरा गांव चर्चा में आ गया है, लेकिन यहां के लोग अपने गांव की बहू के इस कदम से नाखुश हैं। वे इस बात से दुखी हैं कि उनका गांव गलत वजह से चर्चा में है। खरगपुरा अंजू के पति अरविंद का पैतृक गांव है।

अंजू से शादी नहीं करेगा नसरुल्ला

अंजू के पाकिस्तानी मित्र नसरुल्ला ने सोमवार को कहा था कि अंजू वीजा की अवधि पूरी होने पर 20 अगस्त को स्वदेश लौट जाएगी। नसरुल्ला ने अंजू से प्रेम संबंध होने के दावों को भी खारिज कर दिया है। नसरुल्ला (29) ने कहा कि उसकी 34 वर्षीय अंजू से विवाह करने की कोई योजना नहीं है। नसरुल्ला और अंजू की दोस्ती 2019 में फेसबुक के माध्यम से हुई थी। उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव में जन्मी अंजू राजस्थान के अलवर में रहती है। अंजू की 15 साल की बेटी और छह साल का बेटा है। उसका ससुराल बलिया जिला मुख्यालय से तकरीबन 40 किलोमीटर दूर रसड़ा-मऊ राजमार्ग से सटे खरगपुरा गांव में है।

अंजू के पाकिस्तान जाने से दुखी हैं उसके ससुराल खरगपुरा गांव के लोग

बलिया के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा, हमें मीडिया के जरिए इस मामले की जानकारी मिली। इस मामले में पुलिस से जानकारी प्राप्त की जा रही है। रसड़ा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मोहम्मद फहीम कुरैशी ने मंगलवार को बताया कि अरविंद मूल रुप से बलिया जिले के रसड़ा थाना क्षेत्र में परसिया ग्राम सभा के खरगपुरा का निवासी है, लेकिन उसका परिवार राजस्थान में ही रहता है। सीओ कुरैशी ने बताया कि अरविंद का जन्म पैतृक गांव में हुआ था और वह ईसाई धर्म स्वीकार कर चुका है। उन्होंने बताया कि अरविंद के पिता शिवनाथ भिवाड़ी में काम करते थे और उसका अपने पैतृक गांव से कोई जुड़ाव नहीं रहा। 2014 के बाद से अरविंद कभी अपने पैतृक गांव नहीं आया है। सीओ ने बताया कि पुलिस सोमवार को खरगपुरा गई थी और उसने अरविंद को लेकर प्रारंभिक छानबीन की।

केवल एक बार देवर की शादी में शामिल होने गांव आयी थी अंजू

उन्होंने बताया कि अंजू, अरविंद के साथ केवल एक बार अपने देवर अनूप की शादी में शामिल होने के लिए 2014 में खरगपुरा आई थी। रिश्ते में अंजू की सास लगने वाली सुभावती ने बताया कि अरविंद के पिता शिवनाथ एवं मां ललिता देवी की मौत हो चुकी है। अरविंद की चाची सुभावती अपने बेटे कुणाल के साथ गांव में रहती है। सुभावती ने बताया कि अरविंद एवं अंजू की शादी 2007 में राजस्थान के भिवाड़ी में हुई थी और अंजू पहली बार 2014 में रिश्ते के अपने देवर अनूप की शादी में शामिल होने के लिए अपने ससुराल आई थी। सुभावती ने बताया कि उन्हें समाचार चैनलों से अंजू के पाकिस्तान जाने की खबर मिली और वह इस घटना से ''बहुत दुखी'' हैं।

संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने बिस्तर लगा सजय सिंह ने दिया धरना

-कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों का मिला साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे मॉनसून सत्र से निलंबित किए गए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह पूरी रात संसद परिसर में ही धरने पर बैठे रहे। उनके साथ इस घरने में विपक्षी गठबंधन इंडिया के कई सांसद और नेता भी मौजूद रहे। गांधी प्रतिमा के सामने ही आप सांसद सिंह ने अपना बिस्तर लगा लिया। वह अपने साथ छोटकू पंखा भी लाए थे। मंगलवार सूर्योदय होने पर उन्होंने एक तस्वीर ट्विटर पर शेयर कर लिखा, हर रात की सुबह होती है। संसद का परिसर। बापू की प्रतिमा। मणिपुर को न्याय दो। इसके पहले आधी रात को सिंह ने गीत गाया वीडियो भी शेयर किया था। इसमें संजय सिंह गा रहे हैं, सर पर बांध कफन जो निकले, बिन सोचे परिणाम रे भईया। उनके साथ कांग्रेस और दूसरे दलों के भी नेता धरने में बैठे दिखाई देते हैं।

मंगलवार को धरनास्थल से ही सांसद सिंह ने कहा, सोमवार पूरी रात हम लोग गांधी प्रतिमा के सामने बैठे रहे। पूरा दिन बैठे रहे। हमारी एक ही मांग है, प्रधानमंत्री को मणिपुर की हिंसा पर जवाब देना होगा। सबसे ज्यादा शर्मसार करने वाली तस्वीर आई। महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराया जा रहा है। उसमें एक महिला का पति करगिल युद्ध में हिस्सा ले चुका है। आप कल्पना कीजिए कि सेना का रिटायर्ड सूबेदार कहता है कि मैंने करगिल युद्ध में हिस्सा लेकर देश की रक्षा कर ली लेकिन अपनी पत्नी की रक्षा नहीं कर सका।

रात में आप नेता ने वीडियो संदेश जारी कर कहा, मुझे संसद से सस्पेंड किया गया है और इसकी वजह सिर्फ इतनी थी कि मैंने प्रधानमंत्री जी से कहा कि आप मणिपुर की हिंसा पर आकर जवाब दीजिए। राज्यसभा सांसद और महिला कांग्रेस अध्यक्ष जेबी माथेर ने मंगलवार को कहा कि हम संदेश देना चाहते हैं, कि संजय सिंह जी अकेले नहीं हैं। पूरा विपक्ष एकजुट है।

दिल्ली सहित देशभर में तेजी से फैल रहा आई फ्लू

- आंख रोग विशेषज्ञों ने जाहिर की चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में इन दिनों तेजी से आई फ्लू यानी कंजंक्टिवाइटिस का संक्रमण फैल रहा है। दरअसल हर साल यह बीमारी फैलती है, लेकिन इस बार संक्रमण की रफ्तार तेज है। कुछ मामलों में इसका असर भी लंबे समय तक हो रहा है। हालत यह है कि दिल्ली के सभी प्रमुख आंखों के अस्पताल में कंजंक्टिवाइटिस के मामले 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़े हैं। डॉक्टरों का कहना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है, लेकिन अपने आप ठीक होने की वजह से ज्यादातर लोग इलाज के लिए अस्पताल नहीं जाते हैं।

एम्स के आरपी सेंटर के प्रमुख डॉ.जे एस तितियाल ने कहा कि इमरजेंसी में रोजाना 25 से 30 मामले आ रहे हैं और ओपीडी को मिलाकर लगभग 100 मरीज हो जा रहे हैं। आमतौर पर एक से दो हफ्ते में यह अपने आप ठीक हो जाता है। लेकिन, कई बार साथ में बैक्टीरियल इन्फेक्शन जुड़ जाता है और यह ज्यादा खतरनाक् हो जाता है।

सेंटर फॉर साइट के चीफ डॉ. महिपाल सचदेव ने कहा कि पिछले कुछ दिनो में संक्रमण दो से तीन गुणा बढ़ गया है। दिल्ली ही नहीं, पूरे देश में यह फैल रहा है। हैदराबाद, भोपाल, इंदौर, सभी जगह हो रहा है। अभी स्थिति कंट्रोल में है, लेकिन जिस तेजी से यह फैल रहा है यह एपिडेमिक का रूप ले सकता है। गुरु नानक आई सेंटर की प्रमुख डॉ. कीर्ति सिंह ने कहा कि ओपीडी में 10 से 20 प्रतिशत तक मामले बढ़ गए हैं।

ज्ञानवापी मामले से जुड़ी अन्य याचिकाओं पर सुनवाई पूरी, 28 अगस्त को होगा फैसला

नई दिल्ली। (एजेंसी)। ज्ञानवापी मस्जिद-काशी विश्वनाथ मंदिर भूमि स्वामित्व विवाद से संबंधित कई याचिकाओं में पक्षों से कुछ स्पष्टीकरण मांगने के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आज मामले में सुनवाई पूरी की और मामलों पर फैसला सुनाने की तारीख 28 अगस्त तय की। न्यायालय के समक्ष दायर याचिकाओं में वाराणसी अदालत के समक्ष दायर एक मुकदमे की स्थिरता को चुनौती भी शामिल है, जिसमें उस स्थान पर एक मंदिर की बहाली की मांग की गई है जहां ज्ञानवापी मस्जिद मौजूद है।

पीठ के समक्ष एक और याचिका अंजुमन मस्जिद समिति ने वाराणसी कोर्ट के 2021 के आदेश को चुनौती दी है। मस्जिद परिसर का पुरातात्विक सर्वेक्षण किया जाए ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि 17 वीं शताब्दी में ज्ञानवापी मस्जिद के निर्माण के लिए एक हिंदू मंदिर को आंशिक रूप से तोड़ा गया था या नहीं। गौरतलब है कि वाराणसी न्यायालय के समक्ष लंबित मामले की कार्यवाही पर सितंबर 2021 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी, साथ ही एएसआई सर्वेक्षण आदेश पर भी प्रभावी रूप से रोक लगा दी थी।

वाराणसी कोर्ट का आदेश स्वयंभू ज्योतिर्लिंग भगवान विश्वेश्वर की ओर से वकील विजय शंकर रस्तोगी द्वारा दायर याचिका पर आया था। आवेदन वर्ष 1991 में प्राचीन मूर्ति स्वयंभू भगवान विश्वेश्वर और 5 अन्य द्वारा दायर एक मुकदमे में दायर किया गया था, जिसमें उस भूमि की बहाली का दावा किया गया था जिस पर ज्ञानवापी मस्जिद हिंदुओं के लिए है। मुकदमे में वादी ने यह घोषित करने की मांग की कि जिस जमीन पर मस्जिद बनी है वह हिंदुओं की है। जैसा कि सर्वविदित है, भूमि स्वामित्व विवाद कथित तौर पर काशी विश्वनाथ मंदिर के खंडहरों पर बनी ज्ञानपवी मस्जिद से संबंधित है। मुकदमे को एचसी के समक्ष चुनौती दी गई है और उक्त चुनौती को विवाद से संबंधित कई मामलों के साथ जोड़ दिया गया है। पिछले साल, न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की पीठ ने मामलों में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था, हालांकि, अदालत ने इस साल मई में कुछ स्पष्टीकरण मांगे थे और इसलिए, मामलों को नियमित अंतराल पर सूचीबद्ध किया गया था। अब सभी याचिकाओं पर सुनवाई पूरी हो चुकी है।

15 से 24 जनवरी, 2024 के बीच होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

-पीएम मोदी को आमंत्रण पत्र भेजा गया

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक के दूसरे दिन मंदिर निर्माण प्रगति के साथ प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों पर मंथन किया गया। ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 15 से 24 जनवरी, 2024 के बीच रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र भेज दिया है। जल्दी इसकी तिथि भी तय होगी। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बैठक की जानकारी दी। भगवान श्री रामलला का भव्य मंदिर बिना बाधा के बने, इसके लिए अनेक प्रकार के अनुष्ठान चल रहे हैं।

राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर अयोध्या की स्थिति क्या होगी, उस पर अनुभवी लोगों के साथ 3 घंटे से अधिक देर तक चर्चा हुई है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए भगवान की प्रतिमा बन रही है। मंदिर में दरवाजे लगाए जाने के लिए कार्य भी चल रहे हैं। इन सभी का रूप का भी विजिट किया गया। उन्?होंने बताया कि मंदिर के खंभों में देवी देवताओं की मूर्तियां बनी हैं जिसकी संख्या 6000 से अधिक होगी। अभी फिलहाल भूतल पर कुछ खंभों का चयन किया गया है उस पर मूर्ति कैसी बन रही है इसका अध्ययन किया गया लोवर खंभों पर कुछ पैनल बनने हैं, जो वाल्मीकि रामायण पर आधारित होंगी। इस पर भी मंथन किया गया है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर दो सिंबल 2 गज एक हनुमान जी और एक गरुण जी की मूर्ति बनेगी। यहां कैसे और किस पत्थर से तैयार किया जाएगा, इस पर विस्तारपूर्वक चर्चा किया गया है। तय किया गया है जिस पत्थर से राम मंदिर का निर्माण हो रहा है, उन्हीं पत्थरों से इन मूर्तियों को भी तैयार किया जाएगा। परकोटा में भी 6 मंदिर बनने हैं। उन मंदिरों के लिए मूर्तियों को टाइप किए जाने के लिए ट्रस्ट का एक डेलिगेशन अगस्त में राजस्थान पहुंचेगा। इसमें महासचिव चंपत राय, सदस्य डॉ अनिल मिश्रा, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी, आर्किटेक्ट आशीष सोनपुरा सहित अन्य लोग शामिल हो सकते हैं। भगवान श्री रामलला का भव्य मंदिर बिना बाधा के बने, इसके लिए अनेक प्रकार के अनुष्ठान चल रहे हैं। इस समय तीर्थ क्षेत्र भवन रामकोट में ऋग्वेद सामवेद कृष्ण यजुर्वेद शुक्ल यजुर्वेद के मंत्रों की आहुतियां चल रही हैं। बाल्मीकि रामायण और श्रीमद्भागवत का भी पाठ चल रहा है। इसके लिए काशी के वेद विद्वान और महाराष्ट्र के वैदिक आचार्य अलग-अलग

अनुष्ठान कर रहे हैं। 2022 से मंदिर निर्माण होने तक वैदिक मंत्रों का उच्चारण और हवन भी चल रहा है। इसके लिए महाराष्ट्र के 5 वैदिक 15 दिन के अंतराल पर यह अनुष्ठान कर रहे हैं। राय ने बताया कि 20 सदस्य प्राण प्रतिष्ठा प्रबंधन से जुड़े लोग पिछले अप्रैल से हर 15 दिन पर बैठक कर रहे हैं। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश जोशी उर्फ भैयाजी जोशी भी मौजूद रहे। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए भगवान की प्रतिमा को तराशने का काम तीन मूर्ति विशेषज्ञों की टीमें कर रही हैं।

उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

सियोल । दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। बयान में कहा गया, सेना ने सोमवार रात 11.55 बजे और मंगलवार की आधी रात को उत्तर कोरिया द्वारा प्योंगयांग के पास के इलाकों से पूर्वी सागर में दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया।जेसीएस के हवाले से बताया कि दोनों मिसाइलें समुद्र में गिरने से पहले लगभग 400 किमी तक उड़ीं। जेसीएस के अनुसार, दागी गई मिसाइलों के सटीक प्रकार का निर्धारण करने के लिए सेना अभी भी उत्तर के नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण का विश्लेषण कर रही है। उत्तर कोरिया का नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण तब हुआ है, जब परमाणु ऊर्जा से चलने वाली अमेरिकी पनडुब्बी, यूएसएस अन्नापोलिस, उत्तर कोरिया के बढ़ते खतरों के खिलाफ संयुक्त निरोध को मजबूत करने के प्रयासों के तहत दक्षिण कोरिया के दक्षिणी द्वीप जेजू में एक नौसैनिक अड्डे पर पहुंची। उत्तर कोरिया ने 1 जुलाई को पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इसके बाद 22 जुलाई को कई क्रूज़ मिसाइलें लॉन्च की गईं

श्रीलंका में अपना दूतावास बंद करेगा नॉर्वे

कोलंबो । नॉर्वे सरकार ने घोषणा की है कि वह 31 जुलाई को श्रीलंका में अपना दूतावास बंद कर देगी और 1 अगस्त से नई दिल्ली स्थित राजनयिक मिशन से संचालन करेगा। कोलंबो में नॉर्वेजियन दूतावास ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, यह फेसबुक पेज बंद हो जाएगा। हम आपको भारत, श्रीलंका और मालदीव के साथ हमारे चल रहे सहयोग पर अधिक अपडेट के लिए नई दिल्ली में नॉर्वेजियन दूतावास के पेज को फॉलो करने के लिए आमंत्रित करते हैं।इसमें कहा गया है, नई दिल्ली में नॉर्वेजियन दूतावास अब भारत, भूटान, श्रीलंका और मालदीव में नॉर्वे के लिए जिम्मेदार मिशन होगा, जिसकी अध्यक्षता भारत में नॉर्वेजियन राजदूत करेंगे। यह निर्णय नॉर्वेजियन विदेश मंत्रालय की उस घोषणा के महीनों बाद आया है जिसमें कहा गया था कि कोलंबो में नॉर्वे के दूतावास सहित उसके पांच विदेशी मिशन बंद कर दिए जाएंगे।नॉर्वेजियन विदेश मंत्री एनिकेन ह्यूटफेल्ट ने सितंबर 2022 में घोषणा की थी कि देश अपने विदेशी मिशनों में कई बदलाव करेगा। नॉर्वे और श्रीलंका ने 1952 में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे और कोलंबो में दूतावास 1996 में खोला गया था।

अटाकामा रेगिस्तान के अल्टिप्लानो में पड़ती है दुनिया की सबसे ज्यादा धूप

वॉशिंगटन । पृथ्वी पर सबसे ज्यादा धूप अटाकामा रेगिस्तान में मौजूद अल्टिप्लानो में पड़ती है। बता दें ?कि यह जगह चिली में एंडीज पहाड़ों के पास एक शुष्क पठार है। यहां इतनी ज्यादा धूप मिलती है, जितनी कि हमारे सौरमंडल के शुक्र ग्रह पर पड़ती है। अमेरिकी मौसम विज्ञान सोसायटी के जर्नल बुलेटिन में 3 जुलाई को प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर यह ठंडी और शुष्क जगह है। लगभग 4000 मीटर की ऊंचाई वाली इस जगह पर भूमध्य रेखा के करीब या अधिक ऊंचाई वाले स्थानों की तुलना में ज्यादा धूप मिलती है। जानकारी के अनुसार अटाकामा रेगिस्तान कई कारणों से विशेष है। यह पृथ्वी पर सबसे पुराना रेगिस्तान है। यह ध्रुवों से दूर सबसे शुष्क जगहों में से एक है। पर्यटकों के लिए रात के आकाश को देखने के लिए इसे सबसे साफ जगहों में से एक माना जाता है। चिली अल्टिप्लानो अपने सौर विकिरण या सूर्य से पृथ्वी पर उत्सर्जित प्रकाश ऊर्जा के उत्पादन के लिए भी जाना जाता है। हालां?कि वैज्ञानिकों ने यहां पठार पर रेडिएशन 2,177 वाट प्रति वर्ग मीटर मापा है जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इसकी तुलना के लिहाज से पृथ्वी के वायुमंडल के शीर्ष पर यह रेडिएशन लगभग 1360 वाट प्रति वर्ग मीटर है। नीदरलैंड में ग्रोनिंगन यूनिवर्सिटी के जलवायु विज्ञानी राउल कोर्डेरो का कहना है कि यह उतना रेडिएशन है, जितना आपको शुक्र ग्रह पर गर्मियों में मिलेगा। उन्होंने इस तुलना को अविश्वसनीय बताया। ऐसा इसलिए क्योंकि पृथ्वी की तुलना में शुक्र सूर्य से 28 फीसदी करीब है। पठार पर औसत सौर विकिरण लगभग 308 वाट प्रति वर्ग मीटर है। यह भी विश्व रिकॉर्ड है, जो यूरोप और अमेरिकी पूर्वी तट में दर्ज किए गए आंकड़ों से दोगुना है। इसी तरह नासा के वायुमंडलीय वैज्ञानिक सेजी काटो के मुताबिक सोलर रेडिएशन वायुमंडल से धरती तक आने के दौरान बादलों की ओर से अवशोषित कर लिया जाता है। हालांकि यह एक ऐसी जगह जो जल वाष्प परत के ऊपर है और कम बादल हैं उन्हें अनिवार्य रूप से ज्यादा धूप मिलेगी। चिली के इतने धूपदार होने के पीछे दक्षिणी गोलार्ध में इसकी भौगोलिक स्थिति है।

जापान पुलिस ने एक व्यक्ति का सिर काटने के मामले में महिला और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया

तोक्यो। जापान के उत्तरी शहर साप्पोरो में तीन सप्ताह पहले एक होटल के कमरे में एक व्यक्ति की सिर कटी लाश मिली थी और इस मामले में एक महिला और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया गया है। जापान पुलिस ने यह जानकारी दी। जापान के उत्तरी मुख्य द्वीप पर होक्काइडो पुलिस ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने रूना तमुरा (29) और उसके मनोचिकित्सक पिता ओसामु तमुरा (59) को एक जुलाई से दो जुलाई की मध्य रात्रि में एक होटल के कमरे में पीड़ित का सिर काटने और उसके कटे हुए सिर को दूसरी जगह ले जाने की साजिश रचने के संदेह में एक दिन पहले गिरफ्तार किया था। पीड़ित हितोशी उरा (62) का सिर तब से गायब है। पुलिस ने मंगलवार को संदिग्धों के घर पर छापा मारा और मुख्य संदिग्ध की मां हिरोको तमुरा (60) जो कि अंशकालिक कामगार है को अपने परिवार के साथ सिर को घर पर ले जाके रखने की साजिश रचने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह नहीं बताया कि बेटी और पिता ने कैसे साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस अभी भी उनके इस कृत्य के मकसद की जांच कर रही है और उसने यह नहीं बताया कि महिला और पीड़ित एक-दूसरे को जानते थे या नहीं। पुलिस ने यह संज्ञान भी लिया कि सम्भावना है कि रूना एक मानसिक रोगी है। मीडिया रिपोर्टों में पड़ोसियों के हवाले से कहा गया है कि उसे स्कूल जाने में कठिनाई होती थी और वह बचपन से ही एकांतप्रिय थी।

अबू धाबी में पाया गया नया एमईआरएस कोरोना वायरस क्या है? डब्ल्यूएचओ ने इस पर क्या कहा

कोरोना वायरस ने इंसानी जीवन में दस्तक दी और दुनियाभर में लाखों जानें ली। पूरी दुनिया लंबे वक्त तक इसकी चपेट में रही। लेकिन कुछ महीने पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से इसे वैश्विक महामारी की लिस्ट से बाहर कर दिया है। लेकिन अब संभावित घातक मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस (MERS-CoV) का एक मामला दर्ज किया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, MERS या मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस का एक नया मामला सामने आया है। मीडिया ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का हवाला देते हुए ओमान की सीमा पर अबू धाबी के एक शहर में 28 वर्षीय व्यक्ति को एमईआरएस के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। उस व्यक्ति को पिछले महीने एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उस व्यक्ति के संपर्क में रहने वाले कुल 108 लोगों की भी जाँच की गई थी। अभी तक कोई भी द्वितीयक संक्रमण सामने नहीं आया है। मरीज के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। हालांकि स्थिति के बारे में कोई विशेष विवरण सामने नहीं आया है, लेकिन डब्ल्यूएचओ ने कहा है, जैसा कि रिपोर्टों में उद्धृत किया गया है, ऐसे कोई संकेत नहीं थे कि वह आदमी ड्रोमेडरी ऊंटों के संपर्क में आया था।

अल्जीरिया की जंगल में लगी आग, 10 सैनिकों सहित 25 लोगों की मौत

अल्जीयर्स। अल्जीरिया के जंगलों में लगी आग में 25 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में आग बुझाने की कोशिश कर रहे 10 सैनिक भी शामिल हैं, जो तेज हवाओं और प्रचंड गर्मी के बीच आग की लपटों को नियंत्रित करने में जुटे थे। आंतरिक मंत्रालय ने सोमवार को कोई विस्तृत जानकारी दिए बगैर कहा कि कम से कम 1,500 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। आंतरिक मंत्रालय ने जंगल में आग लगने से 15 लोगों की मौत होने और 24 अन्य के घायल होने की पुष्टि की। बाद में रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि राजधानी अल्जीयर्स के बेनी कसीला पूर्व के रिजॉर्ट क्षेत्र में आग बुझाने के प्रयास में जुटे 10 सैनिकों की मौत हो गई और 25 लोग घायल हो गए। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि लोगों की मौत कब हुई, लेकिन जंगलों में आग कई दिनों से लगी हुई है। आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि तेज हवाओं से जंगल में आग भड़क उठी और इसकी लपटें वन क्षेत्र से आगे खेतों की ओर फैलने लगीं। मंत्रालय के मुताबिक, लपटें 16 क्षेत्रों में फैल गईं, जिससे उत्तर अफ्रीकी देश में आग लगने की 97 घटनाएं हुईं।

यूनान में रोमानिया का एक फायरफाइटर जंगल की आग से बचे एक खरगोश को पानी पिलाते हुए।

सभी पाकिस्तानी भीख का कटोरा फेंक दे और आत्मनिर्भर बने : सेना प्रमुख

इस्लामाबाद । पाकिस्तान इनदिनों कंगाली की हालात से गुजर रहा हैं। हर बार विदेशी ऋण की आस में बैठे पाकिस्तान पर उसके ही सेना प्रमुख भड़क गए हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख सैयद असीम मुनीर ने कहा कि देश को विदेशी ऋण पर निर्भरता को कम करना चाहिए। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकताओं को रेखांकित कर कहा कि पाकिस्तान एक गौरवान्वित, उत्साही और प्रतिभाशाली राष्ट्र है। सभी देशवासियों को भीख का कटोरा फेंक देना चाहिए। सेना प्रमुख ने खानेवाल मॉडल कृषि फार्म के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर कहा कि पाकिस्तान के पास सभी मूलभूत सुविधा मौजूद है। सेना प्रमुख ने कहा कि अल्लाह सर्वशक्तिमान ने पाकिस्तान को सभी आशीर्वादों से नवाजा है और दुनिया की कोई भी ताकत देश की प्रगति को रोक नहीं सकती है। जनरल मुनीर ने कहा कि देश मां की तरह होता है और लोगों और देश के बीच का रिश्ता प्यार और सम्मान का होता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य हैं। सेना प्रमुख मुनीर ने कहा कि पाकिस्तानी सेना को अपने राष्ट्र की सेवा करने पर गर्व है, उन्होंने कहा कि सेना को अपनी ताकत लोगों से मिलती है। जनरल मुनीर ने वादा किया कि जब तक पाकिस्तान मौजूदा संकट से बाहर नहीं निकल जाता, सेना आराम से नहीं बैठेगी।

भारत के पड़ोस में छिड़ा युद्ध?

पाक ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती प्रांत पर किया हमला, तालिबान ने की जवाबी कार्रवाई

इस्लामाबाद।(एजेंसी)। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा आतंकवादी हमलों को लेकर इस्लामाबाद और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा काबुल को धमकी दिए जाने के कुछ दिनों बाद पाकिस्तानी बलों ने अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत पर गोलाबारी की। रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तानी बलों ने अफगान सीमा पर कथित टीटीपी ठिकानों पर गोलाबारी की जिसके बाद तालिबान बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अफगानिस्तान में टीटीपी की मौजूदगी को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव के बीच यह झड़प हुई। कथित झड़प पर काबुल या इस्लामाबाद की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

पाकिस्तान ने इस सप्ताह अपने विशेष दूत को तीन दिवसीय यात्रा पर काबुल भेजा ताकि यह स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि अंतरिम सरकार को टीटीपी के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। लेकिन अफ़ग़ान तालिबान ने कई बैठकों के बाद उनसे कहा कि पाकिस्तान को बल प्रयोग के बजाय शांति का रास्ता अपनाना चाहिए। राजदूत आसिफ दुर्रानी ने अपनी यात्रा के दौरान अफगानिस्तान के कार्यवाहक उप प्रधान मंत्री मावलवी अब्दुल कबीर, कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की।

बंद दरवाजे की बातचीत से परिचित आधिकारिक सूत्रों ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि अफगान तालिबान नेतृत्व को स्पष्ट शब्दों में बताया गया था कि टीटीपी के मुकाबले पाकिस्तान का धैर्य कमजोर हो रहा है। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने अपनी साप्ताहिक समाचार ब्रीफिंग में बताया कि आतंकवाद का मुद्दा, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, पिछली ब्रीफिंग में भी पाकिस्तान के लिए गंभीर चिंता का मुद्दा है। पाकिस्तान ने इस मुद्दे को अफगान अधिकारियों के साथ कई मौकों पर और पाकिस्तान और अफगान अंतरिम अधिकारियों के बीच होने वाली हर महत्वपूर्ण बातचीत में उठाया है।

25 से 29 जुलाई तक भारत की यात्रा पर आएंगे अमेरिका के विशेष दूत केरी, जलवायु परिवर्तन पर करेंगे चर्चा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जलवायु के लिए अमेरिका के विशेष दूत जॉन केरी 25 से 29 जुलाई तक नई दिल्ली और चेन्नई का दौरा करेंगे। यह यात्रा 19 जुलाई को केरी की चीन यात्रा के बाद हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप कोई नया समझौता नहीं हुआ। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक भाषण में कहा था कि चीन अपनी गति से कार्बन डाइऑक्साइड प्रदूषण को चरणबद्ध तरीके से खत्म करेगा।

अपनी चीन यात्रा पर बोलते हुए केरी ने कहा कि हमारे बीच बहुत स्पष्ट बातचीत हुई लेकिन हम यहां नई जमीन हासिल करने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि हमें थोड़ा और काम करने की जरूरत है। दिल्ली में केरी वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे और चेन्नई में वह जी20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता मंत्रियों (ईसीएसएम) की बैठक में भाग लेंगे।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि जलवायु के लिए विशेष राष्ट्रपति दूत जॉन केरी जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा पर साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए 25-29 जुलाई को नई दिल्ली और चेन्नई, भारत की यात्रा करेंगे, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण समाधानों में निवेश के लिए एक मंच बनाने, शून्य-उत्सर्जन बसों की तैनाती का समर्थन करने और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के पारस्परिक प्रयास शामिल हैं। पिछली पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) की बैठक, जो 21 मई को हुई थी, वह भी भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत थी।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी का आदेश दिया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने सोमवार कोइस्लामाबाद पुलिस को निर्देश दिया कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार कर मंगलवार को उसके समक्ष पेश करे। निर्वाचन आयोग ने अपनी अवमानना से जुड़े एक मामले में यह आदेश दिया है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) सुनवाई से खान की लगातार अनुपस्थिति से नाराज था और उसने अवमानना मामले में पेश नहीं होने के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख को गिरफ्तार करने का इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को निर्देश दिया। ईसीपी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग के खिलाफ कथित तौर पर ''अमर्यादित'' का इस्तेमाल करने के लिए पिछले साल खान (70) और उनकी पार्टी के पूर्व नेताओं असद उमर और फवाद चौधरी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की थी।

ईसीपी के सदस्य निसार दुर्रानी की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने 11 जुलाई को पिछली सुनवाई में उमर को राहत देने के साथ-साथ खान और चौधरी के लिए गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। पीठ ने सुनवाई के लिए 25 जुलाई की तारीख निर्धारित की थी। नवीनतम आदेश में ईसीपी ने कहा कि 16 जनवरी और दो मार्च को खान के लिए नोटिस और जमानती वारंट जारी किए जाने के बाद भी वह ईसीपी के सामने पेश होने में विफल रहे थे।

चीन के अंतरिक्ष प्रोग्राम को लेकर अमेरिका के हाथ पांव फूले

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीन अमेरिका की प्रतिद्वंदता किसी से छिपी नहीं है। पिछले कुछ समय से अमेरिका का चीन को खतरे के तौर पर देखना ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिकी विशेषज्ञ भी चीन की अमेरिका से आगे निकलने की कोशिशों की गंभीरता को चिंता का विषय मान रहे हैं। हाल में चीन ने जिस तेजी से अंतरिक्ष के क्षेत्र में प्रयास किए हैं अमेरिकी विशेषज्ञों की चिंता उससे कहीं आगे की है। चीन अंतरिक्ष के क्षेत्र की तरक्की को अमेरिकी चीन की सैन्य विस्तारवाद रवैये से जोड़ कर देख रहे हैं और उनके पास इस तरह के कई संकेत भी हैं, जो इशारा करता है कि अमेरिका को इस दिशा में सचेत होने की जरूरत है। हाल में डेविड इग्नेटियस ने अपने लेख में चीन की बढ़ती गतिविधियों के कारण पैदा होने वाली इन्हीं चिंताओं को रेखांकित किया है। 2007 में चीन ने पहला एंटीसैटेलाइट हथियार का परीक्षण किया था। उसके बाद से उसने इसतरह के सैटेलाइट की परीक्षण किया है जो दूसरे सैटेलाइट की खींच कर कक्षा से दूर ले जा सकते हैं।

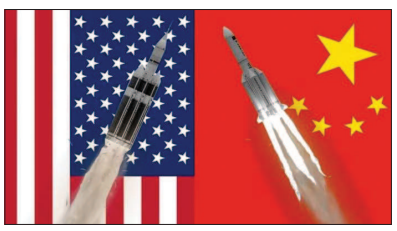

इतना ही नहीं चीन ने इसतरह के स्पेसप्लेन भी बनाए हैं, जो कक्षा में वुस्तओं को पकड़ सकते हैं। अंतरिक्ष के निचले स्तर पर हवा में चीनी जासूसी गुब्बारे भी उड़ने लगे हैं। कुल मिलाकर चीन अंतरिक्ष की क्षमताओं का दोहन कर नियंत्रित करना चाहता है। वहीं अमेरिका चीन की महत्वाकांक्षाओं को पहचानने में धीमा ही रहा। अपोलो अभियान के खत्म होने और फिर स्पेस शटल के रिटायर होने के बाद अमेरिका की रुचि खत्म होती दिखने लगी। लेकिन अमेरिका ने चीनी प्रयासों की प्रतिक्रिया देर से दी।

अमेरिका में पिछली सरकार में डोनाल्ट ट्रम्प ने अंतरिक्ष के सैन्य पहलू को ध्यान में रखते हुए स्पेस फोर्स नाम की सैन्य शाखा खोली। इग्नेटियस ने एस्पियन सिक्यूरिट फोरम पर चार विशेषज्ञों, यूएस स्पेस कमांड के प्रमुख जन. जेम्स एतच डिकिन्सन, स्पेस पॉलिसी के लिए असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस एफ एलम्ब, ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी की असिस्टेंट डायरेक्टर एजीन उजो ओकोरो, और रॉकेट बनाने कंपनी यूनाइटेड लांच एलाएंस के चीफ एक्जीक्यूटिव साल्वाटोर टोरी ब्रूनो, सही ने इस मुद्दे पर माना की चीन एक तेजी से बढ़ता खतरा है। चीन के वर्चस्व के प्रयासों के जवाब सरकारी और निजी व्यवसायिक सैटेलाइट का विकसित होता समूह होगा जो पृथ्वी की निचली कक्षा में निगरानी नेटवर्क का विकास कर रहे हैं। एलम्ब बातते हैं कि अमेरिकी रक्षा विभाग पैंटागन अंतरिक्ष के क्षेत्र में सक्रिय 130 से अधिक कंपनियों से साझेदारी कर रहा है। चीन इसकी बराबरी नहीं कर सकता है। लेकिन इस विषय पर ज्यादा जानकारी नहीं उपलब्ध नहीं है कि क्योंकि सरकार के मुताबिक क्लासिफाइड स्तर की जानकारी है। इग्नेटियस याद दिलाते हुए लिखते हैं कि उन्हें उम्मीद है कि अधिकारी 2021 में तत्कालीन ज्वाइंट चीफस ऑफ स्टाफ के वाइस चेयरमैन जन जॉन हेटन की सलाह को नहीं भूले, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रतिरक्षा (डेटेरेंस) क्लासिफाइड संसार में नहीं होती है। फिर भी सूत्रों का कहना है कि अमेरिका इस मामले में हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा है।

पैंटागन के लीक दस्तावेजों से पता चलता है कि चीन अंतरिक्ष में एक तरह के साइबर वॉर की तैयारी कर रहा है जिससे वह अंतरिक्ष में सैटेलाइट को जाम कर सकता है अक्षम कर सकता है। चीन साइबर हमले का उपयोग कर सैटेलाइट को नियंत्रित कर सकता है जिससे वे संचार, हथियारों, इंटेलिजेंस, निगरानी तंत्रों को निष्प्रभावी तक कर सकता है।

कोपेनहेगेन में जलाई गई कुरान.....मुस्लिम देशों का गुस्सा सातवें आसमान पर

-कई मुस्लिम देशों ने घटना की निंदा की

कोपेनहेगन (एजेंसी)। कोपेनहेगेन में फिर इराक के दूतावास के बाहर कुरान को जलाकर उसका अपमान किया गया है। नए घटनाक्रम के बाद से ही दुनिया भर के मुसलमानों में नाराजगी है। यह घटनाक्रम इराक और कोपेनहेगन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और खराब कर सकता है। इराक ने घटना की निंदा कर कहा है कि बगदाद में दूतावास के डेनमार्क के कर्मचारियों को विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर जाना पड़ गया था। जबकि डेनमार्क ने इससे इनकार कर दिया है।

डेनमार्क में इराक के दूतावास के बाहर कुरान जलाने की घटना को अंजाम देने वाले दोनों प्रदर्शनकारी डेनिश पैट्रियट्स ग्रुप से थे। इस ग्रुप की तरफ से ही 23 जुलाई को भी इसी तरह की घटना को अंजाम दिया गया था। इन?होंने फेसबुक पर इन घटनाओं को लाइव-स्ट्रीम किया था। दोनों देशों में आगजनी को लेकर कई हजार इराकियों ने शनिवार को बगदाद में प्रदर्शन किया। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि पवित्र कुरान का अपमान करने वाले लोगों को सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यूरोप के देशों डेनमार्क और स्वीडन में अभिव्यक्ति की आजादी के नियमों के तहत पवित्र कुरान को जलाने की मंजूरी दी गई है। इसके बाद ईरान और इराक में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इराक में प्रदर्शनकारियों ने पिछले हफ्ते बगदाद में स्वीडन के दूतावास को आग लगा दी थी।

मुसलमान, कुरान को ई?वर का वचन मानते हैं और यह उनके लिए बहुत पवित्र है। अगर कोई भी कुरान को जानबूझकर नुकसान पहुंचाता है या फिर इसके प्रति अनादर दिखाता है, तब इस बेहद अपमानजनक समझा जाता है। कोपेनहेगन में नई घटना की वजह से सना में हजारों प्रदर्शनकारियों ने एक रैली निकाली। रैली में शामिल लोगों ने इस तरह के कृत्यों की अनुमति देने के लिए डेनमार्क और स्वीडन दोनों पर गुस्सा व्यक्त किया। तुर्की ने इस घटना को कुरान पर घृणित हमला कहा है। वहीं, अल्जीरिया के विदेश मंत्रालय ने कृत्यों की निंदा करने के लिए डेनिश राजदूत और स्वीडिश के विदेश मामलों के प्रभारी को बुलाया।

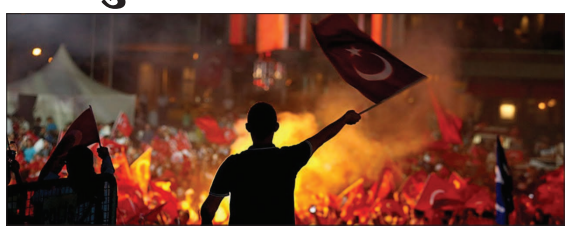

एक ट्वीट में, डेनमार्क के विदेश मंत्रालय ने कहा- डेनमार्क आज कुरान को जलाने की निंदा करता है। ये उत्तेजक और शर्मनाक कृत्य डेनिश सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। सभी से संयम की अपील है। हिंसा का जवाब हिंसा से कभी भी नहीं देना चाहिए।

सेना में मान बढ़ा रहे हैं झुंझुनू के जवान

कारगिल विजय दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

जले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है।

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं।

झुंझुनू जिले में प्रारम्भ से ही सेना में भर्ती होने की परम्परा रही हैं तथा यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता था। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर ह्यशेखावाटी ब्रिगेड ह्याका गठन किया था। जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 120 सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं।

इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्व हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगो की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं।

इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त किये

हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आद्परेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्व। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं।

भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 45 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 62 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्द्धसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की और से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 457 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक है। कारगिल युद्व के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 22 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 457 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं। यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुकें हैं वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में ब्रिगेडियर, कर्नल,मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षो से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है।

यहां के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्व में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्व में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्व के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है।

जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है। हाल ही में झुंझुनू में सैनिक स्कूल प्रारम्भ हो चुकी है जिसका लाभ सेना में जाने वाले यहां के युवाओं को मिलेगा। 24 साल पहले हमने करगिल तो जीत लिया था, लेकिन शहीदों के परिवारों के सामने आज भी समस्याओं के कई करगिल खड़े हैं। जिन पर जीत दर्ज करनी अभी बाकी हैं। सरकार द्वारा झुंझुनू जिले को देश का सैनिक जिला घोषित कर यहां के सैनिक परिवारों को सुविधाये उपलब्ध करवाने की तरफ पर्याप्त ध्यान देवे तो आज भी झुंझुनू क्षेत्र से अनेक पीरूसिंह पैदा होकर देश के लिये प्राण न्योछावर कर सकते हैं। झुंझुनू जिले के सैनिको की बहादुरी देखकर कवि ने अपनी रचना में भी झुंझुनू के वीरो का गुणगान इस प्रकार किया है।

शुरा निपजे झुंझुनू, लिया कफन का साथ ।
रण-भूमि का लाडला, प्राण हथेली हाथ ।।

संपादकीय

व्यवहार

आदमी का व्यवहार ही उसके संस्कारों को पुष्ट करता हैं । अपना व्यवहार आसान नहीं होते जिंदगी में निभाना । इतने सारे व्यवहार कुछपसंद के कुछ बिना पसंद के हर व्यवहार में हम मुस्कुराते हैं । कुछ हमारे मन की इच्छाएं -कुछ दबी ख्वाहिशें तो कुछ चाहतें करते जानादरकिनार । हम चलते रहते बस चलते रहते बनाकर खुद को औरों के साथ में व्यवहार । नाम, सुर्खियां , वाहवाही बटोरने झेलते जातेअपने दिल पर व्यवहार । सही गलत कुछ पता नहीं बस मान लेते इसी को हम जिंदगी का सार । चलो हम थोड़ा खुद को परखे खुद कोपहचाने खुद को बना ले हम अपने व्यवहार से इतना दमदार । ना मारे मन को -समझे जीवन को हर कसौटी के खरे हो कलाकार की तरहहमारा व्यवहार ।है जिंदगी बहुत खूबसूरत व्यवहार हम रंगमंच दोस्तों कहलाए हम उम्दा अदाकार कहलाए । फिर परदा गिरे या उठेपरवाह नहीं बस याद रहे निभाया हर व्यवहार । याद रहे निभाया हर व्यवहार । अहंकार में तकरार है । अहंकार में बड़ा भार है । इसलिएइससे मुक्त रहने की हमें बहुत दरकार है ।यदि चहुँ और ऊपर जाना है व्यवहार में व्यर्थ के अहंकार व घमंड को छोड़ो । और विनम्रता केसाथ में व्यवहार को मिठास से अपना निकट का नाता जोड़ो ।सबके साथ प्रियता का व्यवहार हमें सबके निकट लाता है । यही व्यवहारव्यक्ति को ऊपर पहुंचता है और यही सफलता का दाता है । शरीर में कोई सुन्दरता नहीं है ।सुन्दर होते हैं व्यक्ति के कर्म । उसके विचारउसकी वाणी , उसका व्यवहार, उसके संस्कार और उसका चरित्र ।जिसके जीवन में यल सब है वही इंसान दुनिया का सबसे सुंदर शख्सहै। हर इन्सान की अपनी सोच व व्यवहार हैं । सबको अपनी मस्ती में जीनें का अधिकार है । जब सब खुशहाल हैं तब क्यों हो कटु शब्दोंकी बौछार । अहं भरी मस्ती जिम्मेदार हैं । अनर्गल को सदैव कहा-अनसुना करें ।पर शान्ति से सही बात को कहना चाहिये । समयसमय पर गलत व्यवहार का सही से उपचार करना चाहिये । जीवन को सदा हरा-भरा रखना चाहिये । ईमानदारी, ज्ञान तथा चारित्र नाबाजार में मिलता है न ही यह कभी उपहार में मिलता है ।यह गुणत्मकता व्यक्ति का खुद का अपना ही गुण हैं ।जो खुद के व्यवहार मेंमिलता है । यदि तुम अपने व्यवहार को सच्चा व अच्छा बनाओगे तभी अपने जीने के अर्थ को समझकर सही जीवन व्यवहार में जीपाओगे । यह सही की हमारा व्यवहार हमारे मनोभाव दर्शाता है और मन के भाव संस्कार पर निर्भर है। संस्कार ग्रहण करना अपनी क्षमतापर आधारित है क्योंकि संस्कार दिए नही जाते लिए जाते है। एक माँ अपनी हर संतान को समान रूप से परवरिश देती है यह उनके बुद्धिकौशल एवं निर्णय पर आधार उनकी दिशा तय करती है । भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गलत रोकने के लिए उकसा कर लाखों आदमियोंको महाभारत के युद्ध में मरवा दिया-खून की नदियाँ,लाशें ढा दी पर अर्जुन के कर्म बँधे नही । क्योंकि अर्जुन के मनोभाव पवित्र थे । पापका विनाश और धर्म की स्थापना उद्देश्य था। दुनिया का भिखारी भी यदि दिल का धनी तो वह बादशाह गिना जाएगा उसके कर्म किसनियत से किए जा रहे है वह दर्ज होगा। सद्भाव से फाँसी लगाने वाला जल्लाद भी पुण्यात्मा गिना जा सकता है। सीप की क़ीमत कुछनही मोल तो मोती का है। असली तत्व तो संस्कार-संगत और भावना का है जिससे प्रेरित होकर काम किया गया है । एक व्यक्ति उदासमन से सेवा करता है दूसरा अत्यंत दया-सहानुभूति-उदारता-प्रेमपूर्वक करता है। बाहर से देखो तो दोनो काम समान पर पुण्य कापरिणाम भावना की उदासीनता एवं प्रेमपूर्वक व्यवहार की तत्परता के किए गए मनोभाव कर है। हमारा जीवन हमारा व्यवहार हैं ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

मणिपुर हिंसा में राज्य सरकार की भागीदारी, होगी अपराधिक कार्यवाही?

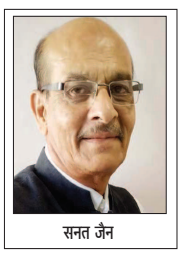

सनत जैन

मणिपुर में 3 महीने से लगातार हिंसा हो रही है। सैकड़ों नागरिक मारे जा चुके हैं। हिंसा और महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न घटनाओं की सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। अभी भी मणिपुर की हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। हाल ही में तोरबुंग बाजार इलाके में आधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों ने, 10 खाली पड़े मकानों और एक स्कूल को आग के हवाले कर दिया। मणिपुर में महिलाओं को ढाल बनाकर लगातार हिंसा की जा र?ही है। भाजपा के ही 10 विधायक लगातार मांग कर रहे हैं। कुकी बहुल जिलों में अलग प्रशासन की नियुक्ति की जाए। ताकि नागरिकों का विश्वास सरकार के प्रति बढ़े। मणिपुर की हिंसक वारदातों और यौन उत्पीड़न के वीडियो अब धीरे-धीरे करके सामने आने लगे हैं। इससे स्थिति और भी विस्फोटक होने लगी है। मणिपुर के विष्णुपुर और चुराचंदपुर के बीच लगातार 36 घंटे से फायरिंग हो रही है। सेना और पुलिस खड़े होकर वहां तमाशा देख रही है। महिलाएं हथियारों से लैस उग्रवादियों के लिए ढाल का काम कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस मामले का संज्ञान ले लिया है। पिछले 4 दिन से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही ठप्प पड़ी हुई है। कई देशों की संसद में मणिपुर की घटनाओं की चर्चा हो रही है। इसके बाद भी अभी तक मणिपुर में स्थिति को नियंत्रित नहीं किया जा सका है। भारत अपनी मजबूत सैन्य शक्ति के लिए दुनिया के देशों में जाना जाता है। मणिपुर जैसे छोटे से राज्य को भारत वहां की स्थितियों को नियंत्रित नहीं कर पा रहा है। इससे भारत की छवि पर भी विपरीत असर दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि 3 मई को 21 साल के छात्र हंगलाल मुआन, जो पुलिस की अभिरक्षा में था। पुलिस उसे लेकर जेल जा रही थी। मेतई समुदाय की भीड़ ने रास्ते में पुलिस की गाड़ी को रोक लिया। पुलिस वाले गिरफ्तार आरोपी को भीड़ को सौंपकर वहां से भाग गए। भीड़ ने उस छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी। छात्र का शव इंफाल में रखा हुआ है। उपरोक्त छात्र को मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया मे पोस्ट के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। घटना को लगभग 3 महीने होने जा रहे हैं। अभी तक उसके परिजनों को उसका शव नहीं सौंपा जा सका है। पहली बार संवैधानिक पद पर विराजमान मुख्यमंत्री के खिलाफ इस बात के पर्याप्त सबूत सामने आ रहे हैं, कि उन्होंने एक समुदाय विशेष को संरक्षण दिया है। हिंसा को अनदेखा करते हुए,अपने राजनीतिक एवं निजी हितों के लिए संवैधानिक पद की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं किया है। पुलिस की कस्टडी में जब युवक की, भीड़ द्वारा हत्या की गई थी। उस मामले में भी ढाई महीने तक कोई कार्यवाही ना होना, हजारों नागरिकों को जान बचाने शरणार्थी शिविरों में पहुंचना, ऐसे स्पष्ट उदाहरण हैं,जिसमें शासन की लापरवाही और मिलीभगत स्पष्ट रूप से उजागर हो रही है। यही मणिपुर की अशांति का सबसे बड़ा कारण है। शासन और प्रशासन से जब नागरिकों का विश्वास उठ जाता है। उस समय स्थितियों पर नियंत्रण कर पाना बड़ा मुश्किल होता है। मणिपुर की घटनाओं से स्पष्ट है, कि शासन और प्रशासन का विश्वास जनता के बीच में बहाल करना है। तो मणिपुर का शासन और प्रशासन निष्पक्ष हाथों में आए। लोगों को भरोसा हो, कि उनकी जान-माल की रक्षा होगी। तभी जाकर मणिपुर की स्थिति को नियंत्रण में लाया जा सकता है। केंद्र सरकार ने अभी तक मणिपुर की सरकार को बर्खास्त नहीं किया है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार संवैधानिक पद पर रहते हुए उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं किया है। मुख्यमंत्री को पद से हटाए जाने के साथ-साथ उनके ऊपर अपराधिक कार्यवाही भी शासन और प्रशासन को करनी चाहिए। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में है। अतः इस मामले में सुप्रीम कोर्ट क्या कार्यवाही करता है। किस तरह से मणिपुर की जनता का विश्वास, न्यायपालिका शासन और प्रशासन पर फिर से स्थापित हो। इसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए वीरेन सिंह की भूमिका को लेकर अब हर स्तर पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मणिपुर की घटना का असर,अब पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में देखने को मिल रहा है। इसके लिए समय रहते कार्यवाही की जरूरत है। केंद्र सरकार को तत्काल मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने की कार्यवाही करनी चाहिए।

दलबदल : जनादेश का सम्मान भी बस कहने भर के लिए रह गया

संजय सिंह

हाल के वर्षों में भारत में चुनी हुई सरकारों को दल बदल के माध्यम से गिरा देना और विपक्ष द्वारा सत्तारूढ़ दल के विधायकों को अपने साथ लाकर सत्ता को अस्थिर कर देने का एक चलन सा बन गया है।

भारत में जनादेश का कोई मतलब अब दिखाई नहीं देता। जनादेश का सम्मान भी बस कहने भर के लिए रह गया है। वर्तमान में राजनीति में आकांक्षाएं व महत्त्वाकांक्षाएं अपने चरम पर हैं और सत्ता में बने रहने की चाह दलबदल को तेजी से बढ़ा रही है। मतदाता भले ही किसी दल की विचारधारा से प्रभावित होकर किसी को वोट करे, लेकिन यह जरूरी नहीं की चयनित विधायक या सांसद उसी दल में रहे।

मतदाता जिस दल के लिए एकजुट होकर वोट करते हैं, वही दल दूसरे या तीसरे दल की तरफ हो जाते हैं। मतदाता का किसी राजनीतिक दल या नेता से व्यक्तिगत लगाव हो सकता है, किसी गठबंधन से भी मतदाता के सार्वजनिक हित जुड़े हो सकते हैं, लेकिन उस पार्टी या गठबंधन से चुना हुआ नेता उसे छोड़कर किसी और दल में जाता है तो इससे मतदाता के वोट का कोई मतलब नहीं रह जाता है। अधिकांशतः दलबदल केवल निजी स्वाथरे के कारण ही होता है। पद, पैसा या महत्त्वाकांक्षा के कारण ही दलबदल होता है, लेकिन इसमें हमारा यानी वोटर का हित कहां है? हम इसे समझना ही नहीं चाहते। दुखद है कि लोकतंत्र के इस बिगड़ते स्वरूप को बचाने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है।

पिछले दिनों महाराष्ट्र में जो हुआ उसने तो राजनीति में खरीद-फरोख्त की एक नई इबारत लिख दी है। विचारधारा की दृष्टि से बिल्कुल अलग गठजोड़ अब दिखाई देने लगे हैं। महाराष्ट्र की राजनीति दलबदल की बड़ी प्रयोगशाला बन गई है। वहां पिछले कुछ महीनों के राजनीतिक घटनाक्रम बताते हैं कि नैतिकता और जन हित की पैरोकारी की दुहाई देने वाले नेता सत्ता हथियाने को कैसे रंग ढंग बदलते हैं। कई राज्यों में बहुमत वाली सरकारें दल बदल के कारण अल्पमत में आई, बाद में उस दल की सरकार बनी जिसे जनता ने सरकार बनाने का जनादेश नहीं दिया था। कर्नाटक और मध्यप्रदेश में भी विधायकों के इस्तीफे दिए जाने के कारण सरकारे अल्पमत में आई।

मौजूदा दल बदल कानून विधायकों को इस्तीफा देने से नहीं रोकता है। सैद्धांतिक तौर पर भी देखा जाए तो सांसद अथवा विधायक के तौर पर निर्वाचित व्यक्ति यदि इस्तीफा देकर दूसरे दल में शामिल होता है तो वह गलत नहीं माना जा सकता। विधायकों और सांसदों के दल बदल में अब यही पैटर्न देखने को मिल रहा है, लेकिन निकायों के प्रतिनिधि दल को छोड़े बगैर ही क्रॉस वोटिंग के जरिए अपनी प्रतिष्ठा को दांव पर लगा रहे हैं। आने वाले दिनों में भारत के 5 राज्यों में चुनाव होना है जहां अक्टूबर में आचार संहिता लागू हो जाएगी। अभी से राज्यों में दलबदल की आशंका दिखाई पड़ने लगी है। दो दल मिलकर चुनाव लड़ते हैं और जीतते हैं तो सरकार बनाते वक्त धुर विरोधी दल से मिल जाते हैं।

मतदाता के पास कोई अधिकार नहीं है कि वह इसका विरोध कर सके। यकीनन यह उसके मताधिकार का अपमान होता है। नेताओं को सत्ता में हिस्सा चाहिए इसीलिए दलबदल किया जाता है, हालांकि राजनीतिक दलों की दलील होती है कि जनता की खुशहाली के लिए राज्य के विकास के लिए फैसला लिया गया। एक वक्त था जब दलबदल को राजनीति में बहुत ही हेय दृष्टि से देखा जाता था। दल बदलते तो थे मगर खुद को असली पार्टी बताने का दावा नहीं करते थे। इस दलबदल के खेल में सबसे अधिक फायदा छोटे दलों को हो रहा है, जो मोलभाव करने में सबसे अधिक फायदा उठा रहे हैं। महाराष्ट्र में पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे और अब राकंपा के अजित पवार इस राजनीति के अगुआ हैं।

वहीं राजनीति में अब नए तरह का प्रचलन देखने को मिल रहा है। ताकतवर दल दूसरे दलों के बीच दो फाड़ करने में माहिर हो रहे हैं। छोटे दलों में कई तरह के स्वार्थ लाभ और भय उन्हें दलबदल करने के लिए मजबूर बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि सरकारी एजेंसियों के छापे के डर से ऐसा हो रहा है। सवाल उठता है कि आखिर नेता छापे से डरते क्यों हैं? अगर बात साफ-साफ है तो मीडिया या सीबीआई क्या बिगाड़ लेगी, लेकिन वे जानते हैं कि बात इतने भर की नहीं है। वे जानते हैं कि जांच एजेंसियों के पास इतने सारे पेच होते हैं कि उनमें उलझाया जा सकता है। कायदे से इनमें चुनाव आयोग को दखल देना चाहिए। कुछ जानकारों का कहना है कि सर्वोच्च अदालत को भी हस्तक्षेप करना चाहिए। चुनाव सुधार के मामले में शीर्ष अदालत पहले भी अहम फैसले दे चुका है। अब दलबदल कानून पर भी कोर्ट को सख्त रु ख अपनाने की जरूरत है ताकि राजनीतिक पार्टियां इसका दुरु पयोग न कर सके। देश में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म लगातार मुहिम चला रहा है। देश में अभी सांसद और विधायकों के दलबदल को रोकने वाला ही कानून लागू है बावजूद इसके देश में बड़ी संख्या में विधायक दलबदल करते नजर आ रहे हैं। नेताओं की विचारधारा सत्ता में बने रहने की है जिसके चलते राजनीति में शुचिता कम हो रही है। दलबदल के चलते लोकतांत्रिक मूल्यों में भारी गिरावट को देखा जा सकता है जो आने वाले समय में लोकतंत्र के लिए हानिकारक साबित होगा।

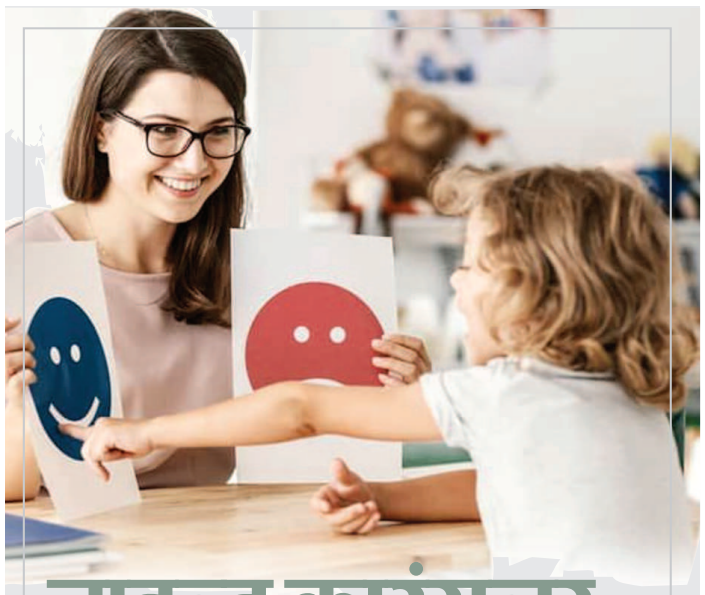

चाइल्ड काउंसलर बनकर संवारें अपना भविष्य

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आज के तनावपूर्ण जीवन में सिर्फ बड़े ही नहीं, बल्कि बच्चे भी कई तरह की परेशानियों जैसे माता-पिता व अन्य लोगों से रिश्ते, एग्जाम प्रेशर व पीयर प्रेशर आदि से दो-चार होते हैं। यहां सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह अपनी परेशानी किसी से शेयर नहीं करते और कई बार तो अपनी परेशानियों को मन में ही रखने के कारण वह अवसादग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में उनकी परेशानियों को समझकर उन्हें अंधेरे से निकालकर उजाले में लाने का काम करते है चाइल्ड काउंसलर। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर व्यक्ति को दूसरों की सहायता करके एक अजीब सी संतुष्टि का अनुभव होता है।

क्या होता है काम

एक चाइल्ड काउंसलर बच्चों के व्यवहार और भावनात्मक मुद्दों पर उनकी सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही वह बच्चों के डेवलपमेंट मुद्दों जैसे चिंता, नींद, पर्सनैलिटी डिसआर्डर व ईटिंग डिसआर्डर को भी दूर करते हैं। उनका मुख्य काम पहले बच्चों के साथ एक रिश्ता विकसित करना होता है ताकि वह अपने मन की उन बातों को भी साझा करें, जिसे वह किसी से भी नहीं कह पाते। इसके बाद वह उनकी बातों को सुनकर व उसके हाव-भावों के जरिए उसके मन की परेशानी को गहराई से समझते हैं। वह न सिर्फ बच्चों को काउंसिल करता है, बल्कि समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए पैरेंट्स को भी काउंसिल करते हैं। जिससे माता-पिता बच्चों के मन की बात समझकर उनके लिए सपोर्ट सिस्टम बन सकें।

स्किल्स

जो लोग एक सफल चाइल्ड काउंसलर बनना चाहते हैं, उनमें कम्युनिकेशन स्किल्स व इंटरपर्सनल स्किल्स काफी अच्छे होने चाहिए। इसके अतिरिक्त उसमें बच्चे को आसानी से सहज करने व बेहतरीन तालमेल बिठाने की भी क्षमता होनी चाहिए। अगर आप सच में एक बेहतरीन चाइल्ड काउंसलर बनने की इच्छा रखते हैं तो आपको तटस्थ व निष्पक्ष होकर बच्चे की बातों को सुनना व समझना चाहिए। अधिकतर बच्चे अपने दोस्तों या माता-पिता को महज इसलिए अपनी बात नहीं बताते क्योंकि उन्हें लगता है कि वह उनकी बात नहीं समझेंगे या फिर उन्हें गलत समझेंगे। ऐसा अनुभव उन्हें चाइल्ड काउंसलर की बातों से नहीं होना चाहिए। आपके भीतर यह क्षमता होनी चाहिए कि आप बच्चों को यह विश्वास दिला सके कि आप उनकी बातों को सुनेंगे, जज नहीं करेंगे।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए 12वीं के बाद साइकोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के बाद आप साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री या पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस व काउंसिलिंग कर सकते है। इसके बाद एमफिल या पीएचडी भी की जा सकती है।

संभावनाएं

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। वहीं आप खुद का सेंटर भी खोलकर काम कर सकते हैं।

आमदनी

अगर वेतन की बात की जाए तो इसमें सैलरी से अधिक मानसिक संतुष्टि को महत्व दिया जाता है। वहीं एक स्कूल में नियुक्त काउंसलर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। वहीं एक अनुभवी चाइल्ड काउंसलर की सैलरी एक बड़े स्कूल में 25000 से 30000 तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त अगर आप किसी प्रतिष्ठित प्राइवेट हॉस्पिटल में काम कर रहे हैं तो आपकी सैलरी 30000 या उससे अधिक हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाब
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ काउंसिलिंग, नई दिल्ली

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी के अवसर और स्कोप

नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटेक्नोलॉजी क्या होती है?

नैनोटेक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। नैनोटेक्नोलॉजी एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन - रसायन विज्ञान से लेकर कंप्यूटर विज्ञान तक - अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है। नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

मास्टर पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में एमएससी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमएससी
- नैनोटेक्नोलॉजी में एमटेक
- सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एमटेक
- नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एमटेक

डॉक्टरेट पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

नैनोटेक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता है। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमेडिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में बीटेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक / जैव चिकित्सा / रसायन / जैव प्रौद्योगिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को मैकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एमटेक या फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैटेरियल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एम.एससी पास होना चाहिए। उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बीटेक + एमटेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी का स्कोप क्या है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आईटी और इंटरनेट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बैंगलोर और चेन्नई आईटी और मेडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटेक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटेक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिकके के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटेक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। पीएचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

- नैनोटेक्नोलॉजिस्ट
- वैज्ञानिक
- शोधकर्ता
- प्रोफेसर
- खाद्य वैज्ञानिक
- इंजीनियर चिकित्सा वैज्ञानिक

उद्योग / कंपनियां / जो इन पेशेवरों को नियुक्त करते हैं:

- इलेक्ट्रॉनिक्स / सेमीकंडक्टर उद्योग
- विनिर्माण उदयोग
- जैव प्रौद्योगिकी
- दवाइयों
- चिकित्सा क्षेत्र
- पर्यावरण
- विश्वविद्यालयों
- उत्पाद आधारित कंपनियां (खाद्य)
- अनुसंधान प्रयोगशाला

वेतन

फ्रेशर के लिए लगभग 20,000/- से 30,000 रुपये प्रति माह और अनुभवी उम्मीदवारों के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह के वेतन की उम्मीद की जा सकती है।

नैनोटेक्नोलॉजी ऑफर करने वाले भारत के शीर्ष कॉलेज:

- भौतिकी विभाग, आईआईएससी, बैंगलोर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, एनआईटी, कालीकट
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो-टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस सेक्रेटरी से मैनेजर तक

सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस कोर्स करके आप महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियों के पर्सनल सेक्रेटरी बनने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अनेक शॉर्ट टर्म और डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं।

वैश्वीकरण के बाद जिस तेजी से ऑफिस की कार्यप्रणाली और स्वरूप बदला है, ऑफिस सेकेट्री और पर्सनल सेक्रेटरी की भूमिका भी अहम होती जा रही है। सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस कोर्स में दाखिला लेकर आप ऑफिस सेकेट्री या पर्सनल सेकेट्री बन कर एक अच्छा करियर बना सकते हैं। ऑफिस सेकेट्री किसी ऑफिस में प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों को मैनेज करने में अहम भूमिका निभाता है। महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों के पर्सनल सेक्रेटरी बन कर आप उनके डेली रूटीन तथा ऑफिस शड्यूल को मैनेज करते हैं। देश के विभिन्न विश्वविद्यालय और प्राइवेट संस्थान सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्स ऑफर करते हैं।

योग्यता तथा पढ़ाई

शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रवेश लेने के लिए दसवीं तथा कुछ संस्थानों के लिए बारहवीं पास होना आवश्यक है। इस क्षेत्र में आगे की पढ़ाई मसलन डिग्री तथा डिप्लोमा कोर्स करने के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य योग्यता है। इन कोर्सों के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल का होना अतिआवश्यक है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य छात्र को सेक्रेटरी के उत्तरदायित्वों को समझाना, सेक्रेटेरियल कार्यों के लिए गुणों का विकास करना, संगठन या ऑफिस की कार्यप्रणाली को समझाना तथा कंप्यूटर, इंटरनेट, फैक्स आदि ऑफिस में प्रयोग होने वाले उपकरणों को ऑपरेट करना सिखाया जाता है। शॉर्ट टर्म कोर्स में शॉर्ट हैंड, टाइपराइटिंग, कंप्यूटर बेसिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन तथा पर्सनेलिटी डेवलपमेंट विषय पढ़ाए जाते हैं। लेकिन डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्सों में इन विषयों के अलावा मैनेजमेंट, अकाउंट, कंपनी लॉ और बैंकिंग सर्विसेज विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद सरकारी तथा प्राइवेट क्षेत्रों में सभी तरह के दफ्तरों में सेक्रेटरी की जॉब मिलती है। लेकिन हाल में मल्टीनेशनल, पब्लिक सेक्टर कंपनियों तथा होटल्स में स्किल्ड सेकेट्री और ऑफिस सेकेट्री के जॉब की अपार संभावनाएं हैं। बैंकों, वित्तीय संस्थानों, लॉजिस्टिक फर्म तथा ट्रैवल एजेंसी में भी सेक्रेटरी के रूप में जॉब कर सकते हैं। अपनी योग्यता तथा अनुभव से आप सेक्रेटरी से जॉब शुरू करके ऑफिस मैनेजर बन सकते हैं।

टीवीएस का मुनाफा 40.9 प्रतिशत बढ़ा

चेन्नई । गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज लिमिटेड ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 40.9 प्रतिशत बढ़कर 117 करोड़ रुपए हो गया। टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज ने पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 83 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय सालाना आधार पर 868 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,353 करोड़ रुपए हो गई। इस दौरान प्रबंधन के तहत संपत्ति बढ़कर 21,924 करोड़ रुपए हो गई।

सरकार ने चीनी कंपनी को संयंत्र लगाने की नहीं दी अनुमति

नई दिल्ली । भारत सरकार ने चीन की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माता कंपनी बीवाईडी के एक अरब डॉलर (करीब 8,200 करोड़ रुपए) के निवेश से ई-वाहन संयंत्र लगाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। कंपनी ने अपनी भारतीय भागीदार मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) के साथ मिलकर तेलंगाना में ई-वाहन उत्पादन संयंत्र लगाने का प्रस्ताव दिया था। सूत्रों ने बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को यह प्रस्ताव भेजा गया था। इस प्रस्ताव को जरूरी पड़ताल एवं मंजूरी के लिए भारी उद्योग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के पास भी भेजा गया था। सरकार के स्तर पर इस प्रस्ताव के तमाम पहलुओं पर विचार करने के बाद इसे मंजूरी नहीं देने का फैसला किया गया है। इस संबंध में बीवाईडी और एमईआईएल ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पावर फाइनेंस के शेयर उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । ऊर्जा क्षेत्र की वित्त पोषण कंपनी पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयर 244 रुपए प्रति शेयर के साथ अपने ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। पिछले 13 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों में काफी उछाल देखा गया है। जून 2022 में इसके शेयर की कीमत 97.15 रुपए के निचले स्तर तक गिरने के बाद इसमें करीब 150 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। वहीं, स्टॉक पी/ई अनुपात 3.98 है। कंपनी देश के बिजली क्षेत्र में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का वित्तपोषण करती है। इसकी पेशकशों में परियोजना अवधि ऋण, उपकरण की खरीद के लिए पट्टा वित्तपोषण, उपकरण निर्माताओं को लघु/मध्यम अवधि ऋण, ऋण पुनर्वित्त आदि के रूप में फंड-आधारित उत्पाद शामिल हैं। गैर-निधि आधारित उत्पादों में विलंबित भुगतान गारंटी, सुविधा पत्र (एलओसी), ऋण वृद्धि की गारंटी के लिए नीति आदि शामिल हैं।सोमवार को कंपनी के 12.03 लाख शेयरों की खरीद-बिक्री हुई।

एथनॉल बनाने के लिए एफसीआई गोदाम से नहीं मिल रहा चावल!

नई दिल्ली । एथनॉल बनाने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से चावल मिलना बंद होने की खबर है। एथनॉल बनाने वाली डिस्टिलरियों ने यह शिकायत करते हुए बताया कि पिछले एक हफ्ते से उन्हें चावल नहीं मिल रहा है। इससे ईंधन में एथनॉल मिलाने का देश का महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम लड़खड़ा सकता है। चावल की आपूर्ति रुकने से देश में करीब 100 डिस्टिलरियों का एथनॉल उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इन डिस्टिलरियों में एथनॉल बनाने के लिए चावल का इस्तेमाल होता है, जो एफसीआई से ही आता है। वे चावल को स्टार्च में बदलती हैं, जिससे एथनॉल तैयार किया जाता है। उद्योग भागीदारों ने बताया कि कुछ डिस्टिलरी दो तरह का कच्चा माल इस्तेमाल करती हैं। चीनी के सीजन में गन्ने से एथनॉल बनाया जाता है और साल के बाकी महीनों में अनाज का इस्तेमाल होता है। मगर उन पर भी असर पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक एफसीआई ने आधिकारिक तौर पर इस निर्णय के पीछे का कारण नहीं बताया मगर माना यही जा रहा है कि अनाज की बढ़ती कीमतों और 2023-24 फसल वर्ष में कम बारिश और उसके बाद बाढ़ के कारण धान की उपज कम रहने की आशंका में ही ऐसा किया गया है। पिछले सप्ताह निर्यात पर प्रतिबंध भी इन्हीं दो कारणों से लगाया गया है। संपर्क करने पर एफसीआई के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें ऐसे किसी निर्देश की जानकारी नहीं है।

शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार

मुम्बई ।

घरेलू बाजार में मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही इंट्रा-डे कारोबार में आये उतार-चढ़ाव से भी घरेलू शेयर बाजार में मिश्रित कारोबार रहा। कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 29.07 अंक करीब 0.04 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ ही 66,355.71 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,559.29 की ऊंचाई तक जाने के बाद 66,177.62 तक गिरा। दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 8.25 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी बढ़कर दिन के अंत में 19,680.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,729.35 की उंचाई तक गया और 19,615.95 तक फिसला। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 14 शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाइटन सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं सबसे ज्यादा लाभ जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 3.33 फीसदी तक ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 16 शेयर नुकसान के साथ ही गिरावट पर बंद हुए। एशियन पेंट्स, आईटीसी, लार्सन एंड टूब्रो, एसबीआई और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त पर खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 50 अंक बढ़कर 66,458 के स्तर पर कारोबार करता दिखा और एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 19,700 पर पहुंच गया। प्री-ओपनिंग में शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 111.75 अंक की बढ़त के साथ 66,496.53 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 72.20 अंक की बढ़त के साथ 19740.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर अमेरिका बाजार कल हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। इस बीच एशिया-प्रशांत बाजारों में भी मिश्रित रुख देखा गया।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की कमजोरी के बीच ही मंगलवार को रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 85.88 पर बंद हुआ। वहीं मंगलवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे बढ़कर 81.67 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.74 पर खुला और फिर बढ़त के साथ 81.67 के स्तर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 81.81 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी गिरकर 101.25 पर आ गया।

इनकम टैक्स विभाग ने एक लाख टैक्सपेयर्स को भेजे नोटिसः वित्त मंत्री

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इनकम टैक्स विभाग ने एक लाख से अधिक टैक्सपेयर्स को इनकम टैक्स नोटिस जारी किया है। यह नोटिस आईटीआर दाखिल न करने और गलत इनकम की जानकारी देने के कारण जारी किया गया है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि इन नोटिस को उन टैक्सपेयर्स को भेजा गया है जिनकी इनकम 50 लाख से अधिक है। ऐसे में सरकार को उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष के अंत तक सभी बकाया टैक्स को क्लियर कर लिया जाएगा। उनके मुताबिक आईटी डिपार्टमेंट इन नोटिस को सुलझाने के लिए तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही पिछले कुछ सालों में इनकम टैक्स की दरों में बढ़ोतरी नहीं हुई है लेकिन इससे इनकम टैक्स कलेक्शन में इजाफा जरूर हुआ है। देश के आयकर दिवस के अवसर पर दिल्ली के विज्ञान भवन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। गौरतलब है कि आयकर विभाग द्वारा टैक्सपेयर्स को कुल दो कैटेगरी नोटिस भेजा है। पहले वह लोग है जिन्होंने इनकम छुपाकर कम टैक्स भरा है और दूसरे लोग वह जिन्होंने टैक्स की देनदारी होते हुए भी आईटीआर फाइल नहीं किया है। बता दें कि ज्यादातर मामले उन लोगों के हैं जिसकी कमाई 50 लाख रुपए सालाना से अधिक है। यह सभी मामले 4 से 6 साल तक पुराने हो सकते हैं।

शेयर बेचते ही अकाउंट में आ जाएगा पैसा?

- शेयर बाजार में होने वाले सौदों का निपटान फौरन ही होने लगेगा

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में ट्रेडिंग करने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब उन्हें ट्रेड सेटलमेंट के लिए एक दिन का भी इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अभी निवेशकों को शेयर बाजार के ट्रांजैक्शन के सेटलमेंट को पूरा करने के लिए अगले ट्रेडिंग सेशन यानी टी+1 का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन जल्द ही शेयर बाजार में होने वाले सौदों का निपटान फौरन ही होने लगेगा। इसके तहत शेयर बेचते ही तुरंत उनके अकाउंट में पैसा आ जाएगा। साथ ही अगर आप शेयर खरीदते हैं तो वे उसी दिन आपके डीमैट अकाउंट में आ जाएंगे। मार्केट रेगुलेटर सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा कि रेगुलेटर शेयर बाजारों में ट्रांजैक्शन का इंस्टैंट सेटलमेंट लागू करने की प्रक्रिया पर काम कर रहा है। वह दिन अधिक दूर नहीं है जब शेयर बाजार में होने वाले सौदों का निपटान फौरन ही होने लगेगा। सेबी शेयर बाजार में क्रिक ट्रांजैक्शन सेटलमेंट यानी टी+0 व्यवस्था बनाने के लिए सभी साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। ऐसा होने पर सौदों के निपटान में लगने वाला समय घट जाएगा। टी+1 सेटलमेंट अपनाने वाला भारत पूरी दुनिया के पहले देशों में शामिल है। इसका मतलब ये हुआ कि कोई भी निवेशक शेयर खरीदता है तो उसके अगले ही दिन उसके डिमैट खाते में शेयर्स ट्रांसफर कर दिए जाते हैं या फिर कोई निवेशक शेयर बेचता है तो अगले ही दिन उसके बैंक खाते में पैसे क्रेडिट कर दिए जाते हैं। म्यूचुअल फंड की यूनिट्स का अलॉटमेंट भी निवेशकों को जल्द होगा। बुच ने कहा कि मार्केट रेगुलेशन, डेवलपमेंट पर फोकस है। दुनिया के अधिकांश विकसित देशों में टी+2 व्यवस्था है जबकि भारत ने इस साल जनवरी से पूरी तरह टी+1 व्यवस्था लागू कर दी थी। सेबी साथ ही डीलिस्टिंग नियमों की समीक्षा कर रहा है। बुच ने बताया कि इसको लेकर जल्द नए कंसल्टेशन पेपर जारी किए जाएंगे। एक्सचेंज से कंपनी के शेयर को हटाने की प्रक्रिया डीलिस्टिंग कहलाती है। अगर आसान शब्दों में कहें तो डीलिस्ट के बाद शेयर एक्सचेंज में ट्रेड नहीं हो सकता है। हालांकि सेबी चीफ ने इस पर ज्यादा कुछ भी बोलने से इंकार किया।

सोना हुआ महंगा, चांदी की कीमत भी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में मांग बढ़ने के साथ ही सोने और चांदी के दाम भी धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार को सर्राफा बाजार में सोने के दाम में 10 रुपए प्रति दस ग्राम का इजाफा देखने को मिला। जबकि चांदी का भाव 200 रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ गया। इसी के साथ भारतीय सर्राफा बाजार में सोना (22 कैरेट) बढ़कर 54,423 रुपए प्रति दस ग्राम चला गया. जबकि 24 कैरेट वाले गोल्ड के दाम 59,370 रुपए प्रति दस ग्राम हो गए। वहीं चांदी की कीमत 74,480 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। मल्टी कमॉडिटी एक्सचेंज पर सोना 10 रुपए की बढ़त के साथ 59,086 रुपए प्रति दस ग्राम पर ट्रेंड कर रहा है, जबकि एमसीएक्स पर सोने 59,120 के उच्चतर और 59,041 के न्यूनतम स्तर तक कारोबार कर चुका है। जबकि चांदी की कीमत यहां 215 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़त के साथ 74,311 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई हैं। इससे पहले यहां चांदी 74,379 के उच्चतर स्तर और 74,241 के न्यूनतम स्तर पर कारोबार कर चुकी हैं।

दिल्ली में 22 कैरेट वाला सोना 54,248 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है, जबकि 24 कैरेट वाला गोल्ड यहां 59,180 रुपए प्रति दस ग्राम में मिल रहा है। जबकि चांदी की कीमत यहां 74,180 रुपए प्रति किलोग्राम चल रही है। मुंबई में सोना 22 कैरेट 54,340 रुपए प्रति दस ग्राम में बिक रहा है। जबकि 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड यहां 59,280 रुपए प्रति दस ग्राम चल रहा है।

वहीं चांदी यहां 74,330 रुपए प्रति किलोग्राम है। कोलकाता में 22 कैरेट वाला सोना 54,267 रुपए प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट वाला गोल्ड 59,200 रुपए प्रति दस ग्राम पर है। वहीं मुंबई में चांदी का भाव 74,230 रुपए है। चेन्नई में सोना 22 कैरेट 54,496 तो 24 कैरेट गोल्ड 59,450 रुपए प्रति दस ग्राम में मिल रहा है। जबकि चेन्नई में चांदी के दाम 74,560 रुपए प्रति किलोग्राम चल रहे हैं।

यूज्ड कार का मार्केट भी कर रहा तेजी से ग्रो

नई दिल्ली । भारत में यूज्ड कार मार्केट भी काफी तेजी से ग्रो कर रहा है। भारी अवसरों को देखते हुए लेक्सस कंपनी यूज्ड कार मार्केट में एंट्री करने जा रही है। लेक्सस इंडिया के अध्यक्ष नवीन सोनी ने कहा कि ऑटोमेकर अब एक स्ट्रक्चर्ड प्री ओन्ड कार प्रोग्राम की शुरुआत पर गंभीरता से विचार कर रहा है। कंपनी डीलर पार्टनर की व्यावसायिक व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए चुनिंदा आउटलेट्स में कार्यक्रम शुरू करेगी। इस साल के अंत तक या फिर अगले साल की शुरूआत से ही सेकेंड हैंड बाजार में लेक्सस खुद उतरने के लिए तैयार हैकंपनी के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार, लेक्सस कार निर्माता लेक्सस अगले साल से भारत में सेकंड हैंड कार व्यवसाय में प्रवेश करना चाह रही है। लेक्सस ने अब भारतीय बाजार में छह साल पूरे कर लिए हैं।

तेलंगाना का किसान टमाटर बेचकर बन गया करोड़पति

- 1 करोड़ रुपए की अन्य फसल कटाई के लिए तैयार

हैदराबाद ।

तेलंगाना के मेडक जिले में एक किसान ने पिछले एक महीने के दौरान टमाटर बेचकर 2 करोड़ रुपए कमाकर जैकपॉट हासिल किया है, जबकि 1 करोड़ रुपए की अन्य फसल कटाई के लिए तैयार है। मेडक जिले के कौडिपल्ली मंडल के मोहम्मद नगर के एक किसान टमाटर की आसमान छूती कीमत के कारण रातों-रात करोड़पति बन गए। बाजार में टमाटर की कीमत 150 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंचने और पड़ोसी आंध्र प्रदेश और अन्य स्थानों में मदनपल्ले से पर्याप्त आपूर्ति की कमी के कारण किसान ने हैदराबाद बाजार में मांग को पूरा किया। उन्होंने थोक बाजार में उपज को 100 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचा। पिछले एक महीने के दौरान उन्होंने टमाटर के लगभग 8,000 डिब्बे बेचे, जिनमें से प्रत्येक का वजन 25 किलोग्राम से अधिक था। स्कूल छोड़ने वाला 40 वर्षीय किसान सभी के लिए एक आदर्श बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने किसान दंपत्ति को एक ही सीजन में 3 करोड़ रुपये की टमाटर की फसल उगाने के लिए बधाई दी। नरसापुर विधायक चिलुमुला मदन रेड्डी के साथ किसान ने सचिवालय में मुख्यमंत्री के सीआर से मुलाकात की। महिपाल रेड्डी ने सीएम को समझाया कि वे पहले ही 2 करोड़ रुपये की टमाटर की फसल बेच चुके हैं और 1 करोड़ रुपये की दूसरी फसल कटाई के लिए तैयार है। सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना के किसानों को भारी मुनाफे के लिए व्यावसायिक फसलों की खेती में नवीनता से सोचना चाहिए।

उन्होंने भारी पैदावार के लिए टमाटर की खेती में नई तकनीक अपनाने के लिए कियसप की सराहना की।

मारुति की दो बजट कारों में बड़ी खराबी सामने आई

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी की दो बजट कारो में बड़ी खराबी सामने आई है। जिसके बाद कंपनी ने आनन फानन में 87599 यूनिट्स को रिकॉल किया है। ये दोनों कारें है एस प्रेसो और ईको. कंपनी के अनुसार 5 जुलाई 2021 से लेकर 15 फरवरी 2023 के बीच बनी इन दोनों ही कारों में बड़ी खराब की शिकायत मिली है जिसके बाद इन कारों को कंपनी ने सही करने के लिए वर्कशॉप पर रिकॉल किया है। जल्द ही सभी गाड़ियों को सही कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि इसी साल ये तीसरी बार है जब कंपनी को अपनी गाड़ियां रिकॉल करनी पड़ रही हों। जानकारी के अनुसार इन दोनों ही कारों की स्टीयरिंग रॉड में लगातार खराबी की शिकायत आ रही थी, जिसके बाद कंपनी ने गाड़ियों को टेस्ट किया और स्टीयरिंग रॉड की खराबी का पता चला है। कंपनी के अनुसार स्टीयरिंग रॉड के एक हिस्से में कुछ खराबी सामने आई है। इसके 5 जुलाई 2021 से 15 फरवरी 2023 के बीच बनी सभी गाड़ियों की इस कमी को सही किया जा रहा है। स्टीयरिंग रॉड में किसी भी तरह की खराबी आने पर स्टीयरिंग हार्ड हो जाता है यानि उसे घुमाने में दिक्कत होती है। साथ ही कार को घुमाने के दौरान स्टीयरिंग से आवाज भी आने लगती है। धीरे धीरे स्टीयरिंग की हार्डनेस बढ़ जाती है और ये अचानक गाड़ी को मोड़ने के दौरान खतरनाक भी हो सकता है। अब कंपनी एस प्रेसो और ईको में आई इस खराबी को लोगों से बिना कोई पैसा लिए सही करेगी।

यूपी-हरियाणा में बदल गए पेट्रोल-डीजल के दाम

ब्रेंट क्रूड बगैर किसी बदलाव के 82.75 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को बेहद मामूली बढ़त देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.08 डॉलर बढ़कर 78.82 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड खबर लिखे जाने तक बगैर किसी बदलाव के 82.75 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। गुजरात में पेट्रोल और डीजल की कीमत 56 पैसे और कम हुई है। इसी तरह हरियाणा में पेट्रोल 24 और डीजल 23 पैसे सस्ता हुआ है। उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी और राजस्थान में पेट्रोल 55 पैसे और डीजल 50 पैसे महंगा हुआ है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल की कीमत में 44 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। यहां डीजल भी 41 पैसे उछला है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

स्मार्ट वियरेबल हेल्थ-ट्रैकिंग डिवाइस पेश

-इसके जरिए यूजर्स अपने बायोमैट्रिक्स को कर सकेंगे ट्रैक

नई दिल्ली ।

भारत में बोट स्मार्ट रिंग वियरेबल फिटनेस ट्रैकर पेश किया गया है। ये एक स्मार्ट वियरेबल हेल्थ-ट्रैकिंग डिवाइस है, जिसे रिंग वाले फॉर्म में बनाया गया है। इस नई रिंग के जरिए यूजर्स अपने बायोमैट्रिक्स को ट्रैक कर सकेंगे। कंपनी ने कहा है कि ये एक लाइटवेट डिवाइस है, जिसे आसानी से लंबे समय तक पहना जा सकेगा। ये कंपनी की पहली स्मार्ट रिंग होगी। कंपनी ने कंफर्म किया है कि जल्द ही इस स्मार्ट रिंग की कीमत का ऐलान किया जाएगा। ग्राहक इसे कंपनी की ऑफिशियल साइट, फ्लिपकार्ट और अमेजन से खरीद पाएंगे।

इसे 5 एटीएम वाटर और स्वेट रेजिस्टेंस के साथ उतारा गया है। इस लंबे समय तक पहने जा सकने के लिए खास तरह से डिजाइन किया गया है। साथ ही लुक का भी ध्यान रखान रखा गया है। बाकी फिटनेस ट्रैकर की तरह बोट स्मार्ट रिंग के जरिए डेली फिजिकल एक्टिविटीज जैसे स्टेप्स, डिस्टेंस और कैलोरी को दिनभर ट्रैक किया जा सकेगा. खास बात ये भी है कि ये एक मेन्स्ट्रुअल ट्रैकर के तौर पर भी काम करेगी।

इससे महिलाओं को पीरियड को ट्रैक करने में आसानी रहेगी। ये रिंग से ऐप से कनेक्ट होकर डेटा शो करेगी। बोट ने इस रिंग को इस तरह बनाया है कि ये स्विमिंग और वर्कआउट सेशन्स के भी काम आएगी।ये यूजर्स के हार्ट रेट, बॉडी टेम्परेचर, ब्लड ऑक्सीजन लेवल को भी ट्रैक करेगी। ये स्मार्ट रिंग स्लीप पैटर्न को भी ट्रैक करेगी। ये स्लीप ड्यूरेशन से लेकर स्लीप स्टेज तक सबकुछ बताएगी।

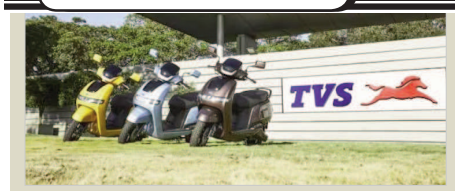

टीवीएस का मुनाफा 40.9 प्रतिशत बढ़ा

चेन्नई । गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज लिमिटेड ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 40.9 प्रतिशत बढ़कर 117 करोड़ रुपए हो गया। टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज ने पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 83 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय सालाना आधार पर 868 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,353 करोड़ रुपए हो गई। इस दौरान प्रबंधन के तहत संपत्ति बढ़कर 21,924 करोड़ रुपए हो गई।

सरकार ने चीनी कंपनी को संयंत्र लगाने की नहीं दी अनुमति

नई दिल्ली । भारत सरकार ने चीन की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माता कंपनी बीवाईडी के एक अरब डॉलर (करीब 8,200 करोड़ रुपए) के निवेश से ई-वाहन संयंत्र लगाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। कंपनी ने अपनी भारतीय भागीदार मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) के साथ मिलकर तेलंगाना में ई-वाहन उत्पादन संयंत्र लगाने का प्रस्ताव दिया था। सूत्रों ने बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को यह प्रस्ताव भेजा गया था। इस प्रस्ताव को जरूरी पड़ताल एवं मंजूरी के लिए भारी उद्योग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के पास भी भेजा गया था। सरकार के स्तर पर इस प्रस्ताव के तमाम पहलुओं पर विचार करने के बाद इसे मंजूरी नहीं देने का फैसला किया गया है। इस संबंध में बीवाईडी और एमईआईएल ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पावर फाइनेंस के शेयर उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । ऊर्जा क्षेत्र की वित्त पोषण कंपनी पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयर 244 रुपए प्रति शेयर के साथ अपने ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। पिछले 13 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों में काफी उछाल देखा गया है। जून 2022 में इसके शेयर की कीमत 97.15 रुपए के निचले स्तर तक गिरने के बाद इसमें करीब 150 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। वहीं, स्टॉक पी/ई अनुपात 3.98 है। कंपनी देश के बिजली क्षेत्र में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का वित्तपोषण करती है। इसकी पेशकशों में परियोजना अवधि ऋण, उपकरण की खरीद के लिए पट्टा वित्तपोषण, उपकरण निर्माताओं को लघु/मध्यम अवधि ऋण, ऋण पुनर्वित्त आदि के रूप में फंड-आधारित उत्पाद शामिल हैं। गैर-निधि आधारित उत्पादों में विलंबित भुगतान गारंटी, सुविधा पत्र (एलओसी), ऋण वृद्धि की गारंटी के लिए नीति आदि शामिल हैं।सोमवार को कंपनी के 12.03 लाख शेयरों की खरीद-बिक्री हुई।

एथनॉल बनाने के लिए एफसीआई गोदाम से नहीं मिल रहा चावल!

नई दिल्ली । एथनॉल बनाने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से चावल मिलना बंद होने की खबर है। एथनॉल बनाने वाली डिस्टिलरियों ने यह शिकायत करते हुए बताया कि पिछले एक हफ्ते से उन्हें चावल नहीं मिल रहा है। इससे ईंधन में एथनॉल मिलाने का देश का महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम लड़खड़ा सकता है। चावल की आपूर्ति रुकने से देश में करीब 100 डिस्टिलरियों का एथनॉल उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इन डिस्टिलरियों में एथनॉल बनाने के लिए चावल का इस्तेमाल होता है, जो एफसीआई से ही आता है। वे चावल को स्टार्च में बदलती हैं, जिससे एथनॉल तैयार किया जाता है। उद्योग भागीदारों ने बताया कि कुछ डिस्टिलरी दो तरह का कच्चा माल इस्तेमाल करती हैं। चीनी के सीजन में गन्ने से एथनॉल बनाया जाता है और साल के बाकी महीनों में अनाज का इस्तेमाल होता है। मगर उन पर भी असर पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक एफसीआई ने आधिकारिक तौर पर इस निर्णय के पीछे का कारण नहीं बताया मगर माना यही जा रहा है कि अनाज की बढ़ती कीमतों और 2023-24 फसल वर्ष में कम बारिश और उसके बाद बाढ़ के कारण धान की उपज कम रहने की आशंका में ही ऐसा किया गया है। पिछले सप्ताह निर्यात पर प्रतिबंध भी इन्हीं दो कारणों से लगाया गया है। संपर्क करने पर एफसीआई के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें ऐसे किसी निर्देश की जानकारी नहीं है।

मुम्बई ।

घरेलू बाजार में मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही इंट्रा-डे कारोबार में आये उतार-चढ़ाव से भी घरेलू शेयर बाजार में मिश्रित कारोबार रहा। कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 29.07 अंक करीब 0.04 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ ही 66,355.71 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,559.29 की ऊंचाई तक जाने के बाद 66,177.62 तक गिरा। दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 8.25 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी बढ़कर दिन के अंत में 19,680.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,729.35 की ऊंचाई तक गया और 19,615.95 तक फिसला। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 14 शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाइटन सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं सबसे ज्यादा लाभ जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 3.33 फीसदी तक ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 16 शेयर नुकसान के साथ ही गिरावट पर बंद हुए। एशियन पेंट्स, आईटीसी, लार्सन एंड टूब्रो, एसबीआई और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त पर खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 50 अंक बढ़कर 66,458 के स्तर पर कारोबार करता दिखा और एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 19,700 पर पहुंच गया। प्री-ओपनिंग में शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 111.75 अंक की बढ़त के साथ 66,496.53 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 72.20 अंक की बढ़त के साथ 19740.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर अमेरिका बाजार कल हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। इस बीच एशिया-प्रशांत बाजारों में भी मिश्रित रुख देखा गया।

बाजार में अमेरिकी मुद्रा की कमजोरी के बीच ही मंगलवार को रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 85.88 पर बंद हुआ। वहीं मंगलवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे बढ़कर 81.67 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.74 पर खुला और फिर बढ़त के साथ 81.67 के स्तर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 81.81 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी गिरकर 101.25 पर आ गया।

इनकम टैक्स विभाग ने एक लाख टैक्सपेयर्स को भेजे नोटिसः वित्त मंत्री

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इनकम टैक्स विभाग ने एक लाख से अधिक टैक्सपेयर्स को इनकम टैक्स नोटिस जारी किया है। यह नोटिस आईटीआर दाखिल न करने और गलत इनकम की जानकारी देने के कारण जारी किया गया है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि इन नोटिस को उन टैक्सपेयर्स को भेजा गया है जिनकी इनकम 50 लाख से अधिक है। ऐसे में सरकार को उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष के अंत तक सभी बकाया टैक्स को क्लियर कर लिया जाएगा। उनके मुताबिक आईटी डिपार्टमेंट इन नोटिस को सुलझाने के लिए तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही पिछले कुछ सालों में इनकम टैक्स की दरों में बढ़ोतरी नहीं हुई है लेकिन इससे इनकम टैक्स कलेक्शन में इजाफा जरूर हुआ है। देश के आयकर दिवस के अवसर पर दिल्ली के विज्ञान भवन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। गौरतलब है कि आयकर विभाग द्वारा टैक्सपेयर्स को कुल दो कैटेगरी नोटिस भेजा है। पहले वह लोग है जिन्होंने इनकम छुपाकर कम टैक्स भरा है और दूसरे लोग वह जिन्होंने टैक्स की देनदारी होते हुए भी आईटीआर फाइल नहीं किया है। बता दें कि ज्यादातर मामले उन लोगों के हैं जिसकी कमाई 50 लाख रुपए सालाना से अधिक है। यह सभी मामले 4 से 6 साल तक पुराने हो सकते हैं।

शेयर बेचते ही अकाउंट में आ जाएगा पैसा?

- शेयर बाजार में होने वाले सौदों का निपटान फौरन ही होने लगेगा

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में ट्रेडिंग करने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब उन्हें ट्रेड सेटलमेंट के लिए एक दिन का भी इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अभी निवेशकों को शेयर बाजार के ट्रांजैक्शन के सेटलमेंट को पूरा करने के लिए अगले ट्रेडिंग सेशन यानी टी+1 का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन जल्द ही शेयर बाजार में होने वाले सौदों का निपटान फौरन ही होने लगेगा। इसके तहत शेयर बेचते ही तुरंत उनके अकाउंट में पैसा आ जाएगा। साथ ही अगर आप शेयर खरीदते हैं तो वे उसी दिन आपके डीमैट अकाउंट में आ जाएंगे। मार्केट रेगुलेटर सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा कि रेगुलेटर शेयर बाजारों में ट्रांजैक्शन का इंस्टैंट सेटलमेंट लागू करने की प्रक्रिया पर काम कर रहा है। वह दिन अधिक दूर नहीं है जब शेयर बाजार में होने वाले सौदों का निपटान फौरन ही होने लगेगा। सेबी शेयर बाजार में क्रिक ट्रांजैक्शन सेटलमेंट यानी टी+0 व्यवस्था बनाने के लिए सभी साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। ऐसा होने पर सौदों के निपटान में लगने वाला समय घट जाएगा। टी+1 सेटलमेंट अपनाने वाला भारत पूरी दुनिया के पहले देशों में शामिल है। इसका मतलब ये हुआ कि कोई भी निवेशक शेयर खरीदता है तो उसके अगले ही दिन उसके डिमैट खाते में शेयर्स ट्रांसफर कर दिए जाते हैं या फिर कोई निवेशक शेयर बेचता है तो अगले ही दिन उसके बैंक खाते में पैसे क्रेडिट कर दिए जाते हैं। म्यूचुअल फंड की यूनिट्स का अलॉटमेंट भी निवेशकों को जल्द होगा। बुच ने कहा कि मार्केट रेगुलेशन, डेवलपमेंट पर फोकस है। दुनिया के अधिकांश विकसित देशों में टी+2 व्यवस्था है जबकि भारत ने इस साल जनवरी से पूरी तरह टी+1 व्यवस्था लागू कर दी थी। सेबी साथ ही डीलिस्टिंग नियमों की समीक्षा कर रहा है। बुच ने बताया कि इसको लेकर जल्द नए कंसल्टेशन पेपर जारी किए जाएंगे। एक्सचेंज से कंपनी के शेयर को हटाने की प्रक्रिया डीलिस्टिंग कहलाती है। अगर आसान शब्दों में कहें तो डीलिस्ट के बाद शेयर एक्सचेंज में ट्रेड नहीं हो सकता है। हालांकि सेबी चीफ ने इस पर ज्यादा कुछ भी बोलने से इंकार किया।

सोना हुआ महंगा, चांदी की कीमत भी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में मांग बढ़ने के साथ ही सोने और चांदी के दाम भी धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार को सर्राफा बाजार में सोने के दाम में 10 रुपए प्रति दस ग्राम का इजाफा देखने को मिला। जबकि चांदी का भाव 200 रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ गया। इसी के साथ भारतीय सर्राफा बाजार में सोना (22 कैरेट) बढ़कर 54,423 रुपए प्रति दस ग्राम चला गया. जबकि 24 कैरेट वाले गोल्ड के दाम 59,370 रुपए प्रति दस ग्राम हो गए। वहीं चांदी की कीमत 74,480 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। मल्टी कमॉडिटी एक्सचेंज पर सोना 10 रुपए की बढ़त के साथ 59,086 रुपए प्रति दस ग्राम पर ट्रेंड कर रहा है, जबकि एमसीएक्स पर सोने 59,120 के उच्चतर और 59,041 के न्यूनतम स्तर तक कारोबार कर चुका है। जबकि चांदी की कीमत यहां 215 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़त के साथ 74,311 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई हैं। इससे पहले यहां चांदी 74,379 के उच्चतर स्तर और 74,241 के न्यूनतम स्तर पर कारोबार कर चुकी हैं।

दिल्ली में 22 कैरेट वाला सोना 54,248 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है, जबकि 24 कैरेट वाला गोल्ड यहां 59,180 रुपए प्रति दस ग्राम में मिल रहा है। जबकि चांदी की कीमत यहां 74,180 रुपए प्रति किलोग्राम चल रही है। मुंबई में सोना 22 कैरेट 54,340 रुपए प्रति दस ग्राम में बिक रहा है। जबकि 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड यहां 59,280 रुपए प्रति दस ग्राम चल रहा है।

वहीं चांदी यहां 74,330 रुपए प्रति किलोग्राम है। कोलकाता में 22 कैरेट वाला सोना 54,267 रुपए प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट वाला गोल्ड 59,200 रुपए प्रति दस ग्राम पर है। वहीं मुंबई में चांदी का भाव 74,230 रुपए है। चेन्नई में सोना 22 कैरेट 54,496 तो 24 कैरेट गोल्ड 59,450 रुपए प्रति दस ग्राम में मिल रहा है। जबकि चेन्नई में चांदी के दाम 74,560 रुपए प्रति किलोग्राम चल रहे हैं।

यूज्ड कार का मार्केट भी कर रहा तेजी से ग्रो

नई दिल्ली । भारत में यूज्ड कार मार्केट भी काफी तेजी से ग्रो कर रहा है। भारी अवसरों को देखते हुए लेक्सस कंपनी यूज्ड कार मार्केट में एंट्री करने जा रही है। लेक्सस इंडिया के अध्यक्ष नवीन सोनी ने कहा कि ऑटोमेकर अब एक स्ट्रक्रर्ड प्री ओन्ड कार प्रोग्राम की शुरुआत पर गंभीरता से विचार कर रहा है। कंपनी डीलर पार्टनर की व्यावसायिक व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए चुनिंदा आउटलेट्स में कार्यक्रम शुरू करेगी। इस साल के अंत तक या फिर अगले साल की शुरूआत से ही सेकेंड हैंड बाजार में लेक्सस खुद उतरने के लिए तैयार है।कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार, लेक्सस कार निर्माता लेक्सस अगले साल से भारत में सेकंड हैंड कार व्यवसाय में प्रवेश करना चाह रही है। लेक्सस ने अब भारतीय बाजार में छह साल पूरे कर लिए हैं।

तेलंगाना का किसान टमाटर बेचकर बन गया करोड़पति

- 1 करोड़ रुपए की अन्य फसल कटाई के लिए तैयार

हैदराबाद ।

तेलंगाना के मेडक जिले में एक किसान ने पिछले एक महीने के दौरान टमाटर बेचकर 2 करोड़ रुपए कमाकर जैकपॉट हासिल किया है, जबकि 1 करोड़ रुपए की अन्य फसल कटाई के लिए तैयार है। मेडक जिले के कौडिपल्ली मंडल के मोहम्मद नगर के एक किसान टमाटर की आसमान छूती कीमत के कारण रातों-रात करोड़पति बन गए। बाजार में टमाटर की कीमत 150 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंचने और पड़ोसी आंध्र प्रदेश और अन्य स्थानों में मदनपल्ले से पर्याप्त आपूर्ति की कमी के कारण किसान ने हैदराबाद बाजार में मांग को पूरा किया। उन्होंने थोक बाजार में उपज को 100 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचा। पिछले एक महीने के दौरान उन्होंने टमाटर के लगभग 8,000 डिब्बे बेचे, जिनमें से प्रत्येक का वजन 25 किलोग्राम से अधिक था। स्कूल छोड़ने वाला 40 वर्षीय किसान सभी के लिए एक आदर्श बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने किसान दंपत्ति को एक ही सीजन में 3 करोड़ रुपये की टमाटर की फसल उगाने के लिए बधाई दी। नरसापुर विधायक चिलुमुला मदन रेड्डी के साथ किसान ने सचिवालय में मुख्यमंत्री के.सी.आर से मुलाकात की। महिपाल रेड्डी ने सीएम को समझाया कि वे पहले ही 2 करोड़ रुपये की टमाटर की फसल बेच चुके हैं और 1 करोड़ रुपये की दूसरी फसल कटाई के लिए तैयार है। सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना के किसानों को भारी मुनाफे के लिए व्यावसायिक फसलों की खेती में नवीनता से सोचना चाहिए।

उन्होंने भारी पैदावार के लिए टमाटर की खेती में नई तकनीक अपनाने के लिए कियसप की सराहना की।

मारुति की दो बजट कारों में बड़ी खराबी सामने आई

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी की दो बजट कारो में बड़ी खराबी सामने आई है।` जिसके बाद कंपनी ने आनन फानन में 87599 यूनिट्स को रिकॉल किया है। ये दोनों कारें है एस प्रेसो और ईको. कंपनी के अनुसार 5 जुलाई 2021 से लेकर 15 फरवरी 2023 के बीच बनी इन दोनों ही कारों में बड़ी खराब की शिकायत मिली है जिसके बाद इन कारों को कंपनी ने सही करने के लिए वर्कशॉप पर रिकॉल किया है। जल्द ही सभी गाड़ियों को सही कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि इसी साल ये तीसरी बार है जब कंपनी को अपनी गाड़ियां रिकॉल करनी पड़ रही हों। जानकारी के अनुसार इन दोनों ही कारों की स्टीयरिंग रॉड में लगातार खराबी की शिकायत आ रही थी, जिसके बाद कंपनी ने गाड़ियों को टेस्ट किया और स्टीयरिंग रॉड की खराबी का पता चला है। कंपनी के अनुसार स्टीयरिंग रॉड के एक हिस्से में कुछ खराबी सामने आई है। इसके 5 जुलाई 2021 से 15 फरवरी 2023 के बीच बनी सभी गाड़ियों की इस कमी को सही किया जा रहा है। स्टीयरिंग रॉड में किसी भी तरह की खराबी आने पर स्टीयरिंग हार्ड हो जाता है यानि उसे घुमाने में दिक्कत होती है। साथ ही कार को घुमाने के दौरान स्टीयरिंग से आवाज भी आने लगती है। धीरे धीरे स्टीयरिंग की हार्डनेस बढ़ जाती है और ये अचानक गाड़ी को मोड़ने के दौरान खतरनाक भी हो सकता है। अब कंपनी एस प्रेसो और ईको में आई इस खराबी को लोगों से बिना कोई पैसा लिए सही करेगी।

यूपी-हरियाणा में बदल गए पेट्रोल-डीजल के दाम

ब्रेंट क्रूड बगैर किसी बदलाव के 82.75 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को बेहद मामूली बढ़त देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.08 डॉलर बढ़कर 78.82 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड खबर लिखे जाने तक बगैर किसी बदलाव के 82.75 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। गुजरात में पेट्रोल और डीजल की कीमत 56 पैसे और कम हुई है। इसी तरह हरियाणा में पेट्रोल 24 और डीजल 23 पैसे सस्ता हुआ है। उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी और राजस्थान में पेट्रोल 55 पैसे और डीजल 50 पैसे महंगा हुआ है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल की कीमत में 44 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। यहां डीजल भी 41 पैसे उछला है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

स्मार्ट वियरेबल हेल्थ-ट्रैकिंग डिवाइस पेश

-इसके जरिए यूजर्स अपने बायोमैट्रिक्स को कर सकेंगे ट्रैक

नई दिल्ली ।

भारत में बोट स्मार्ट रिंग वियरेबल फिटनेस ट्रैकर पेश किया गया है। ये एक स्मार्ट वियरेबल हेल्थ-ट्रैकिंग डिवाइस है, जिसे रिंग वाले फॉर्म में बनाया गया है। इस नई रिंग के जरिए यूजर्स अपने बायोमैट्रिक्स को ट्रैक कर सकेंगे। कंपनी ने कहा है कि ये एक लाइटवेट डिवाइस है, जिसे आसानी से लंबे समय तक पहना जा सकेगा। ये कंपनी की पहली स्मार्ट रिंग होगी। कंपनी ने कंफर्म किया है कि जल्द ही इस स्मार्ट रिंग की कीमत का ऐलान किया जाएगा। ग्राहक इसे कंपनी की ऑफिशियल साइट, फ्लिपकार्ट और अमेजन से खरीद पाएंगे।

इसे 5 एटीएम वाटर और स्वेट रेजिस्टेंस के साथ उतारा गया है। इस लंबे समय तक पहने जा सकने के लिए खास तरह से डिजाइन किया गया है। साथ ही लुक का भी ध्यान रखान गया है। बाकी फिटनेस ट्रैकर की तरह बोट स्मार्ट रिंग के जरिए डेली फिजिकल एक्टिविटीज जैसे स्टेप्स, डिस्टेंस और कैलोरी को दिनभर ट्रैक किया जा सकेगा. खास बात ये भी है कि ये एक मेन्स्ट्रुअल ट्रैकर के तौर पर भी काम करेगी।

इससे महिलाओं को पीरियड को ट्रैक करने में आसानी रहेगी। ये रिंग से ऐप से कनेक्ट होकर डेटा शो करेगी। बोट ने इस रिंग को इस तरह बनाया है कि ये स्विमिंग और वर्कआउट सेशन्स के भी काम आएगी।ये यूजर्स के हार्ट रेट, बॉडी टेम्परेचर, ब्लड ऑक्सीजन लेवल को भी ट्रैक करेगी। ये स्मार्ट रिंग स्लीप पैटर्न को भी ट्रैक करेगी। ये स्लीप ड्यूरेशन से लेकर स्लीप स्टेज तक सबकुछ बताएगी।

मुख्यमंत्री का राज्य के औद्योगिक विकास को और तेजी देने वाला अहम निर्णय

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय किया है। उन्होंने बनासकांठा की डीसा तहसील के मुड़ेठा गांव में गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) के लिए नए औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु 2,45,000 वर्ग मीटर जमीन के आवंटन को स्वीकृति दी है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात को मैन्युफैक्चरिंग हब और ऑटो हब बनाने सहित दूसरे औद्योगिक क्षेत्रों में विकास के माध्यम से देश और दुनिया के औद्योगिक निवेशकों को गुजरात में आकर्षित करने के लिए वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की सफल श्रृंखला शुरू कराई है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की लगातार सफलता के चलते राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और निर्यात उन्मुख उद्योगों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। गुजरात दुनिया भर के निवेशकों के लिए निवेश का श्रेष्ठ गंतव्य बना है। इसके साथ ही, क्लस्टर आधारित औद्योगिक क्षेत्र, विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पार्क, विमेन इंडस्ट्रियल पार्क, मल्टीलेवल प्लग एंड प्ले शेड्स तथा कंट्री स्पेसिफिक इंडस्ट्रियल टाउनशिप की स्थापना के अंतर्गत गुजरात में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों एवं इंडस्ट्रियल पार्कों में बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। राज्य में बल्क ड्रग पार्क, टेक्सटाइल पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, एग्रो-फूड पार्क, सी-फूड पार्क, सिरामिक पार्क, ट्राइबल पार्क सहित सेक्टर स्पेसिफिक औद्योगिक इकाइयां विकसित हो रही हैं। इससे सेक्टर स्पेसिफिक पूंजी निवेश को भी तेजी मिली है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में घोषित की गई नई औद्योगिक नीति और 'आत्मनिर्भर गुजरात स्कीम फॉर दि असिस्टेंस टू दि इंडस्ट्रीज' के परिणामस्वरूप गुजरात में औद्योगिक निवेशकों को कई तरह के प्रोत्साहन दिए जाते हैं। इन नीतियों के अंतर्गत ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस यानी कारोबार सुगमता को गति देने के लिए राज्य सरकार ने ऑनलाइन सिंगल विंडो सिस्टम और फेसलेस एप्लीकेशन की सुविधा विकसित की है। ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न प्रकार की मंजूरियां हासिल करने के लिए एक ही पोर्टल के जरिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। गुजरात सरकार द्वारा राज्य में उद्योग शुरू करने के लिए उद्यमियों की सहायता के लिए नोडल एजेंसी के रूप में गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) 1962 से कार्यरत है। जीआईडीसी के पास 41,000 हेक्टेयर से अधिक जमीन में 239 विकसित औद्योगिक क्षेत्र हैं। इसके अलावा, 70 हजार से अधिक प्लॉट और 50,000 से अधिक औद्योगिक इकाइयों का सुव्यवस्थित ढांचा भी है। इस ढांचे के माध्यम से 25 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रुप से रोजगार प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा मुड़ेठा में नया औद्योगिक क्षेत्र (जीआईडीसी) शुरू करने के लिए दी गई मंजूरी के परिणामस्वरूप बनासकांठा जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और इस पूरे क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा।

इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के बाद गुजरात पुलिस हरकत में

अहमदाबाद।

गुजरात के महानिदेशक के आदेश के बाद राज्य पुलिस हरकत में आ गई है और आगामी 22 अगस्त तक मेगा ड्राइव शुरू की है। बीते दो दिनोंके भीतर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन के 1869 केस दर्ज हुए हैं। जिसमें ऑवर स्पीड और स्टंट के सबसे अधिक मामले है। दरअसल 19 जुलाई की रात अहमदाबाद के एसजी हाईवे स्थित इस्कॉन ब्रिज पर तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से 9 लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई थी। गुजरात सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही का आदेश दिया था। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने भी ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने, तेज रफ्तार से वाहन चलाने और स्टंट करनेवालों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी और इसमें कोई सिफारिश काम नहीं आएगी। इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के बाद सरकार और पुलिस भी हरकत में आ गई है।

गुजरात के महानिदेशक विकास सहाय ने राज्य के प्रत्येक जिला अधिकारियों को स्टंटबाजी कर अन्य लोगों की जिंदगी से खिलवाड करने और ऑवर स्पीड में वाहन चलाने समेत ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही का आदेश दिया है। पुलिस महानिदेशक के आदेश के बाद राज्यभर की पुलिस हरकत में आ गई और मेगा ड्राइव शुरू कर दी है, जो अगले 22 अगस्त जारी रहेगी। पुलिस महानिदेशक के आदेश के बाद 22 जुलाई से शुरू हुई मेगा ड्राइवक के तहत पिछले 2 दिनों के भीतर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघनकरने के 1869 केस दर्ज हुए हैं। जिसमें ऑवर स्पीड और स्टंट के सबसे अधिक मामले हैं। सूरत में 710 मामले ऑवर स्पीड के दर्ज हुए हैं।

ड्रग्स तस्करी के मामले में दो महिला समेत 4 आरोपी गिरफ्तार, लाखों रुपए का ड्रग्स भी जब्त

अहमदाबाद।

एसओजी क्राइम ने ड्रग्स नेटवर्क के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 24 घंटों के भीतर 2 महिला समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही 17.36 लाख रुपए कीमत का ड्रग्स भी बरामद किया है। एक मामले में महिला ड्रग्स कैरियर के तौर पर पकड़ी गई है। जबकि दूसरे मामले में महिला अपने पति के जेल जाने के बाद उसका नेटवर्क बरकरार रखने के लिए खुद पैडलर बन गई। एसओजी क्राइम के शिकंज में आई महिला ड्रग्स कैरियर का नाम है शमीमबानु उर्फ शम्मो शेख। पुलिस ने शमीमबानु के पास से रु. 10.39 लाख कीमत का 103 ग्राम 900 मिलीग्राम बरामद किया है। पूछताछ में शमीमबानु ने बताया कि वह विधवा है और आय कोई स्रोत नहीं होने की वजह से वह ड्रग्स कैरियर बन गई। शमीमबानु अहमदाबाद के वांटेड आरोपी शाहबाजखान के लिए मुंबई से ड्रग्स लेकर आती थी। जिसके लिए शमीमबानु को एक ट्रीप के रु. 5000 मिलते थे। शमीमबानु ट्रेन के जरिए मुंबई जाती और वहां शब्बीर नामक शख्स से ड्रग्स लेकर आती थी। शमीमबानु ने बताया कि वह पिछले 6 महीने में 5 दफा मुंबई से अहमदाबाद ड्रग्स ला चुकी है। दूसरे मामल में एसओजी क्राइम ने शबानाबानु अनवर बेग मिर्जा, जावेदखान उर्फ बाबा बलोचऔर वसीम अहमद शेख को रु. । लाख कीमत के 70 ग्राम ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए ये तीनों आरोपी ड्रग्स पैडलर हैं, जो अहमदाबाद के फतेहवाडी कैनाल के निकट खुलेआम ड्रग्स की पुडिया बेचते थे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि दिनभर में आरोपी ड्रग्स की 15 से 20 पुडिया बेचते थे। पकड़े गए तीनों आरोपी ड्रग्स एडिक्ट हैं। तीनों पैडलर अहमदाबाद के पत्थरकुवा क्षेत्र से आदिल नामक शख्स से रोज ड्रग्स खरीदते थे और बाद में उसे एक-एक ग्राम की पुडिया बनाकर बेचते थे। पूछताछ में पता चला कि पिछले दो साल से आरोपी इस प्रकार ड्रग्स बेच रहे थे। गिरफ्तार की गई शबानाबानु का पति अनवर बेग मिर्जा भी ड्रग्स पैडलर था, जो फिलहाल एनडीपीएस केस में जेल में बंद है। शबानाबानु ने अपने पति ड्रग्स नेटवर्क को बनाए रखने के लिए ड्रग्स तस्करी शुरू की थी।

5 साल की बच्ची के लिए फांसी का फंदा बना दुपट्टा

सूरत। सूरत से परिवारों को खासकर जिनके यहां छोटे बच्चे हैं उनको सतर्क करने वाली घटना सामने आई है। सूरत के अमरोली में गले में दुपट्टा लटका कर घूम रही बच्ची के लिए दुपट्टा गले में कस गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक उडीसा के गंजाम के मूलनिवासी मनोजकुमार जैना अपनी पत्नी और 5 साल की बेटी के साथ सूरत के अमरोली क्षेत्र में रहते हैं और लूम्स के कारखाने में काम करते हैं। गत 21 जुलाई को मनोजकुमार किसी काम से बाहर गएथे। घर में उनकी 5 साल की बेटी मोबाइल पर गेम खेल रही थी और उसकी माता रसोई बना रही थी। मोबाइल पर नेटवर्क नहीं मिलने से मासूम बच्ची खिड़की के निकट पहुंच गई, जहां पैर फिसलने से उसके गले में लटका दुपट्टा फांसी का फंदा बन गया। माता ने अपनी बेटी को आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं मिला। जिससे वह उस रूम में पहुंच गई जहां बेटी मोबाइल पर गेम खेल रही थी। कमरे में बेसुध पड़ी बेटी को लेकर माता तुरंत अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर की बात सुनते ही माता की आक्रंद करने लगी, जिसे वहां मौजूद लोगों की भी आंखें भर आईं। घटना की खबर मिलते ही अमरोली पुलिस अस्पताल पहुंच गई और दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की।

नागिरक शिकायत निवारण का राज्यस्तरीय ऑनलाइन 'स्वागत' कार्यक्रम 28 जुलाई शुक्रवार को होगा

गांधीनगर।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष राज्य के नागरिकों एवं जनता की शिकायतों तथा समस्याओं के ऑनलाइन निवारण का राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम 28 जुलाई शुक्रवार दोपहर को आयोजित होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2003 से शुरू हुए ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत हर महीने के चौथे गुरुवार को राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी उपक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में जुलाई-2023 का राज्य स्तरीय 'स्वागत' ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम 28 जुलाई को आयोजित होगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 28 जुलाई शुक्रवार दोपहर 3.30 बजे राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे और नागरिकों की शिकायतें-समस्याएँ-प्रस्तुतियाँ सुनेंगे। सामान्य नागरिक तथा आवेदक इस 'स्वागत' कार्यक्रम के लिए अपनी शिकायतें-समस्याएँ 28 जुलाई शुक्रवार सुबह 8.30 बजे से मुख्यमंत्री की जनसंपर्क इकाई, स्वर्णिम संकुल-2, गांधीनगर में स्वयं आकर प्रस्तुत कर सकेंगे।

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया हजीरा स्टील प्लांट में किया गया मॉक ड्रिल का आयोजन

हजीरा-सूरत । दुनिया के दो प्रमुख इस्पात उत्पादक आर्सेलरमित्तल और निप्पॉन स्टील के संयुक्त उद्यम आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (AM/NS India) ने सूरत पुलिस और आसपास के उद्योगों की अग्निशमन टीमों के साथ मॉक ड्रिल का आयोजन किया।

कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए अग्निशामकों को प्रदान किए गए उपकरणों और प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के लिए अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा एक नकली आपातकाल बनाया गया था। कार्यालय में काम करते समय सभी कर्मचारियों की सुरक्षित निकासी के लिए तैयारियों और प्रतिक्रिया समय का परीक्षण करने के लिए भी मॉक ड्रिल महत्वपूर्ण थी।

नियोजित मॉक ड्रिल के अनुसार, मंगलवार की सुबह, प्राकृतिक गैस (एनजी) पाइपलाइन से रिसाव का पता चला और एक चिंगारी से भीषण आग लगी, जिसमें दो कर्मचारी घायल हुए थे।. अग्निशमन सेवा दल की त्वरित प्रतिक्रिया और तैयारियों के कारण स्थिति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर लिया गया और आगे की क्षति से बचा लिया गया।

दुर्घटना की गंभीर स्थिति से निपटने के लिए रिसाव स्थल पर तुरंत दो तकनीशियनों और एक इंजीनियर की एक टीम तैनात की गई। सूरत पुलिस और अग्निशमन टीमों के साथ AM/NS India की एक टीम स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए कार्रवाई में जुट गई। विशाल संयंत्र परिसर में घटना स्थल पर शीघ्र पहुंचने के लिए सात मार्गों की पहचान की गई। आयोजित मॉक ड्रिल में बचाव दल आसानी से मौके पर पहुंच गए।

जैसे ही आग की स्थिति का पता चला, संयंत्र नियंत्रण कक्ष और AM/NS India, हजीरा के अग्नि नियंत्रण कक्ष को तुरंत सूचित किया गया और सभी कर्मचारियों को स्थिति के बारे में सचेत करने के लिए सुबह 10:48 बजे आपातकालीन सायरन बजाया गया। आग पर काबू पाने की पूरी कवायद सुबह 11:10 बजे तक चली. जो अपने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए AM/NS India की प्राथमिकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हिंदुस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधि मंडल की सूरत के व्यापारियों के साथ मीटिंग

सूरत भूमि, सूरत। हिंदुस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स, मुंबई द्वारा पांचवा टैक्सटाइल फेयर एशियाटैक्स 2023 का आयोजन 31 अगस्त 2023 से 2 सितंबर 2023 तक जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर,बीकेसी में किया जा रहा है.चेंबर का एक प्रतिनिधि मंडल 25 जुलाई 2023 को सूरत जा रहा है जिसमें सुशील जी गाड़ियां,श्री सजनजी डोकानिया,श्री अनुरागजी पोद्दार और श्री गोविंदजी सराफ है.प्रतिनिधिमंडल सूरत के व्यापारिक संस्थाओं तथा प्रमुख व्यापारियों के साथ मीटिंग एवं मुलाकात करेगा जिसमें एशियाटैक्स संबंधी पूरी जानकारी दी जाएगी। इसके पूर्व भिवंडी के व्यापारियों के साथ मीटिंग की गई और उन्हें एशियाटैक्स संबंधी जानकारी भी दी गई थी।

"बरसो से मेघा-मेघा" सावन सिंधारा का हुआ भव्य आयोजन

सूरत भूमि, सूरत।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा सावन महीने के उपलक्ष में 'बरसो से मेघा-मेघा" सावन सिंधारा कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया ।

कार्यक्रम की शुरुआत में महिला शाखा द्वारा सभी महिलाओं का भव्य स्वागत किया गया । आयोजन में चार सौ के लगभग महिलाएँ लहरिया थीम के कपड़ों में भाग लिया । महिला शाखा की अध्यक्ष शालिनी कानोड़िया ने बताया की आयोजन में सभी ने मेहंदी लगवायी, गेम्स, झूले, गिफ्ट्स, अल्पाहार आदि का लुफ्त उठाया । इस कार्यक्रम के माध्यम से

सिंधारे पर हम अपनी बहन-बेटियों का लाड-चाव करते है वो नाटक के द्वारा दिखाया गया ।

कार्यक्रम का आइडिया ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी का था जिसका उद्देश्य हमारे पारंपरिक परिधानों के महत्व को बनाये रखना है । इस कार्यक्रम में आयोजन के नाम के अनुसार उपस्थित सभी को बारिश का महत्व एवं बारिश के पानी का संरक्षण करने के बारे में बताया गया । आयोजन में महिला शाखा की दीपाली सिंगल, राखी जैन, रुचिका रुंगटा, अनीता केडिया, वीना जैन सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं ।

बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने नए विलक्षण क्रिकेट खिलाड़ी शुभमन गिल के साथ अपने सहयोग की घोषणा की

पुणे।

प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ ने जीवन लक्ष्य को सक्षम बनाने की अपनी ब्रांड यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए, जाने-माने क्रिकेटर, शुभमन गिल के साथ अपने सहयोग की घोषणा की है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले से ही छाए हुए खिलाड़ी शुभमन गिल ने अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से दुनिया को प्रभावित किया है। एक युवा उपलब्धिकर्ता और कई लोगों के लिए प्रेरणा के रूप में, वह एक अनुशासित दृष्टिकोण के माध्यम से दीर्घकालिक जीवन लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना का प्रतीक हैं।

सहयोग पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, शुभमन गिल ने साझा किया, "मुझे बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के साथ जुड़कर खुशी हो रही है; ऐसा लगता है कि यह एक मैच जीतने के लिए सही समय पर की गई साझेदारी है। यहां, यह जीवन के बड़े मैच में जीत के बारे में है। मेरे लिए, फोकस और निरंतरता सबसे महत्वपूर्ण है, और बजाज आलियांज लाइफ ग्राहकों और अभिनव समाधानों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ इसका प्रतीक है। मैं बजाज आलियांज लाइफ के साथ इस सहयोग के लिए उत्सुक हूं क्योंकि हम भारत के भरोसेमंद लाइफ गोल पार्टनर बनने के लिए मिलकर प्रयास कर रहे हैं।"

एसोसिएशन पर बोलते हुए, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य विपणन अधिकारी, चंद्रमोहन मेहरा ने कहा, "हम लाखों भारतीयों के लिए एक सच्चे जीवन लक्ष्य चैंपियन, शुभमन के साथ साझेदारी करने के लिए उत्साहित हैं। शुभमन नए युवा भारतीय का प्रतीक है जो लाइफ मैक्सिमाइज़र और आत्मविश्वासी है दीर्घकालिक योजना और निरंतरता के माध्यम से कई जीवन लक्ष्यों को पूरा करना। खेल के सभी प्रारूपों में उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में उनका प्रयास, मूल्य-पैक उत्पादों और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से भारतीयों के पसंदीदा जीवन लक्ष्य प्रवर्तक बनने की हमारी समग्र आकांक्षाओं के अनुरूप है।

यह शुभमन गिल का एक बीमा ब्रांड के साथ विशेष जुड़ाव है। कंपनी उत्पाद प्रस्तावों को जीवंत बनाने और व्यापक ग्राहक आधार तक पहुंचने के लिए अपने मार्केटिंग अभियानों में उन्हें शामिल करेगी।

वित्त वर्ष 2023-2024 की पहली तिमाही में पूनावाला फिनकॉर्प का बेहतरीन प्रदर्शन

सूरत। देश की अग्रणी एनबीएफसी, पूनावाला फिनकॉर्प लिमिटेड के निदेशक मंडल ने चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही (30 जून को समाप्त तिमाही) के लिए अनऑडिटेड परिणामों की घोषणा की। इस रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में कंपनी के कर पश्चात लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि दिखी है। पूनावाला फिनकॉर्प एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। पूनावाला फिनकॉर्प मध्यम और छोटे उद्यमों और सामान्य उपभोक्ताओं को वित्त प्रदान करता है।

कंपनीके परिणामों से पता चला है की इस आर्थिक वर्ष की पहली तिमाही में कर पश्चात लाभ में काफी बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही (Q1FY24) के लिए कंपनी का कर पश्चात लाभ 200 करोड़ रुपये रहा। यह कंपनी के इतिहास में सबसे ज्यादा मुनाफा है। इतना ही नहीं, परिणाम से यह भी पता चला कि संपत्ति पर मुनाफा (आरओए) पिछले वर्ष की तुलना में 67 बेसिस प्वाईंटसे बढ़कर 4.8% हो गया। ब्याज से मिलनेवाली आय (एनआईएम) 108 आधार अंक बढ़कर 11.4 प्रतिशत हो गई। कंपनी के प्रबंधन खर्च में पिछले साल की तुलना में 4 फीसदी की कमी आई है और यह 183 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी के प्रबंधन खर्च में पिछले साल की तुलना में 4% और पिछली तिमाही की तुलना में 7% की कमी आई है। पिछले वर्ष कीतुलना में प्रबंधकीय लाभ में 148 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछली तिमाही की तुलना में यह वृद्धी 39 फीसदी है और वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 294 करोड़ है। 30 जून को कंपनी का नकद प्रावधान 36 प्रतिशत था जबकि कार्यशील पूंजी 4,020 करोड़ रुपये थी।

कंपनी के अच्छे प्रदर्शन में डायरेक्ट डिजिटल प्रोग्राम का प्रमुख योगदान रहा है। डायरेक्ट डिजिटल प्रोग्राम के कारण कुल ऋण वितरण में 86 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल की चौथी तिमाही की तुलना में इस वित्त वर्ष

की पहली तिमाही में 5 फीसदी वृद्धी देखने को मिली है. कंपनी का कुल एनपीए घटकर 1.42 फीसदी हो गया है, जो पिछले साल के मुकाबले 126 बेसिस प्वाईंटसे कम है। पिछली तिमाही की तुलना में कुल एनपीए में 2 बेसिस प्वाईंट कम है . शुद्ध एनपीए 0.76 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल से 35 बेसिस प्वाईंट और पिछली तिमाही से 2 बेसिस प्वाईंट कम है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)